केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 296 सोमवार 26 मई 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

महाकाली मंदिर में वाटर कूलर का लोकार्पण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को रेलवे स्टेशन के पास सिद्धपीठ पौराणिक महाकाली मंदिर परिसर में बालक राम लक्ष्मी नारायण एंड सन्स के मालिक स्व. रमेश कुमार गुप्ता की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर सदर विधायक महेंद्रनाथ यादव ने मंदिर परिसर में वाटर कूलर का लोकार्पण किया और मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार के निर्माण की घोषणा की। मंदिर के पुजारी एवं पीताम्बरा पंडित संजय शुक्ल ने कहा कि दूर–दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अब शीतल जल की सुविधा उपलब्ध होगी । चंदन गुप्ता, रितेश गुप्ता, शोभित गुप्ता,अरविंद सोनकर, सिद्धेश सिन्हा, जयंत मिश्रा, विनोद उपाध्याय, रमेश मिश्रा, अनुराग श्रीवास्तव, महेंद्र तिवारी, लवकुश सिंह, संदीप शुक्ला, ओम, अभिनव, रामकृपाल यादव, दिनेश पांडेय, पंकज, अमर सोनी, मोहम्मद आमिर आदि उपस्थित रहे।

शिविरों में बताया योग का महत्व

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । इंडियन योग एसोसिएशन उत्तर प्रदेश चैप्टर एवं आयुष मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से योग संगम का अभियान पूर्वी जोन के अध्यक्ष डॉ नवीन सिंह के नेतृत्व में अनवरत चल रहा है । सावित्री विद्या विहार इण्टर कॉलेज रामजीपुरम एवं जीवीएम कान्वेंट स्कूल के प्रांगण में चल रहे दस दिवसीय समर–कैम्प का रविवार को पाँचवाँ दिन था। आरम्भ सरस्वती वन्दना से किया गया, साथ ही योग–प्रशिक्षक आदित्य नारायण गोस्वामी एवं राम मोहन पाल ने विद्यार्थियों को योग और व्यायाम की विभिन्न मुद्राएँ सिखायीं।

एक्यूप्रेशर स्पेशलिस्ट डॉ.नवीन सिंह ने कहा कि योग हमारे शरीर और मन को संतुलन, शांति और अच्छा स्वास्थ्य देता है आइये 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग संगम अभियान में हिस्सा लें और एक नया इतिहास बनाएं। उनकी टीम ने बच्चों को एक्यूप्रेशर की जाँच करके सामान्य चिकित्सा एवं सतर्कता के उपाय बताए।

बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रणय स्मृति (राजेन्द्रा हॉस्पिटल) ने बच्चों को प्राथमिक उपचार तथा खान–पान से सम्बन्धित सुझाव दिए।

संयोजक योगाचार्य राममोहन पाल ने बताया कि योग संगम का अभियान 20 जून तक सभी कॉलेजों में शिक्षा संस्थानों में अनवरत जारी रहेगा। और बताया कि भूगोल विशेषज्ञ श्री अरुणेश पाण्डेय जी ने बच्चों को देश–दुनिया से सम्बन्धित विभिन्न नवीन और रोचक जानकारियों से अवगत कराया।

शारीरिक शिक्षा के अध्यापक राकेश शर्माजी तथा राजेश यादव ने बच्चों को अलग टीमों में बाँटकर वॉलीबॉल, फुटबॉल, बैडमिन्टन, खो–खो तथा कबड्डी आदि विभिन्न खेल खिलाए।

इसके अतिरिक्त प्रतिदिन बच्चों को क्राफ्टिंग,पेण्टिंग,संगीत आदि विभिन्न ललित कलाओं का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वहीं जीवीएम कान्वेंट में आर्य वीर दल के चल रहे दस दिवसीय शिविर में योग प्रशिक्षक राम मोहन पाल ने योगाभ्यास के लिए बच्चों को प्रेरित किया

दस दिन तक चलने वाले समर–कैम्प के दौरान प्रधानाचार्य श्री ज्ञानेन्द्र कुमार त्रिपाठी तथा शिक्षकगण श्री रविकान्त,ब्रह्मदेव पाठक,हेमन्त द्विवेदी,के सरीनन्दन शुक्ल,सुनीता त्रिपाठी, किरन त्रिपाठी,रीमा सिंह,रीता पाण्डेय,दया मिश्रा, गरुड़ ध्वज पांडे जी ,आचार्य देवव्रत जी ,राहुल आर्य आदि बच्चों की देखभाल,अनुशासन एवं अभिप्रेरण का कार्य कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने राजग की बैठक में नेताओं को दिया नसीहतः बिहार चुनाव पर मंथन

नई दिल्ली (आभा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने एकजुटता का प्रदर्शन किया है। राजग के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों ने ऑपरेशन सिंदूर में सशस्त्र बलों के पराक्रम और पीएम मोदी के साहसी नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए प्रस्ताव पारित किया। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बैठक की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एनडीए का सीएम कॉन्क्लेव हुआ। इस कॉन्क्लेव में दो प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साहसी नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया। वहीं, बैठक में जातिगत जनगणना पर चर्चा हुई। इस दौरान अगली जनगणना में जाति गणना कराने के केंद्र सरकार के फैसले की सराहना की गई। वहीं, बैठक के दौरान पीएम मोदी ने पार्टी के नेताओं के लिए कुछ जरूरी निर्देश भी दिए।

बैठक के दौरान पीएम मोदी ने संघर्ष विराम को लेकर भी टिप्पणी की। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक के दौरान भाजपा नेताओं को

कई निर्देश भी दिए। उन्होंने पार्टी के नेताओं को नसीहत देते हुए बेवजह की बयानबाजी से बचने को कहा। इतना ही नहीं, एनडीए के मुख्यमंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जाति गणना पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह उनकी सरकार के उस मॉडल की दिशा में एक कदम है, जिसके तहत वे हाशिए पर पड़े लोगों और हर क्षेत्र में पिछड़े लोगों को विकास की मुख्यधारा में लाएंगे। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता देश की आत्मनिर्भरता की दिशा में हासिल की गई उपलब्धियों की पुष्टि भी है, जिसमें स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकी की सटीकता भी दुनिया ने देखी है।

जातिगत जनगणना पर चर्चा करते हुए केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने कहा कि हम जातिगत राजनीति नहीं करते लेकिन वंचित, पीड़ित, शोषित और दलित जो लोग छूट गए हैं, उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने का काम करते हैं। यह समाज की आवश्यकता है। जातिगत जनगणना के माध्यम से हम इसे देखते हैं और आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह समाज की आवश्यकता है। जाति जनगणना के माध्यम से हम इसे देखते हैं और आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। बैठक में 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि भी दी गई।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर पर कहा था कि यह सेना का शौर्य है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया है कि हमें आत्मनिर्भर भारत बनाना है। एनडीए के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की बैठक के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बताया कि बैठक में नक्सलियों के खिलाफ चल रहे अभियान पर भी चर्चा हुई। नक्सलवाद को लेकर जो योजनाएं चल रही हैं, उन पर चर्चा हुई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी रणनीति पर चर्चा की।

लालू यादव ने बेटे तेजस्वी को परिवार, पार्टी से निकाला

पटना (आभा)। विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले बिहार की राजनीति में बीती रात तब सियासी भूचाल आ गया, जब लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप के सोशल मीडिया अकाउंट से अनुष्का यादव नामक युवती के साथ तस्वीर पोस्ट की गई। इसमें तेज ने बताया कि वह और अनुष्का यादव पिछले 12 साल से एक–दूसरे को जानते हैं और प्यार करते हैं। इसके बाद सोशल मीडिया से लेकर कई नेताओं तक ने तेज प्रताप के जरिए आरजेडी पर हमला बोला था।

रविवार को लालू यादव ने कड़ा ऐक्शन लेते हुए तेज प्रताप को छह साल के लिए न सिर्फ पार्टी से निष्कासित कर दिया, बल्कि बेटे को परिवार से भी दूर करने का ऐलान किया।

स्वच्छ बस्ती के लिये जारी है स्वच्छता अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । एक कदम स्वच्छता की ओर 'स्वच्छ बस्ती सुंदर बस्ती' अभियान का उद्देश्य अपने बस्ती को साफ–सुथरा और स्वस्थ बनाना है। यह अभियान न केवल स्वच्छता पर केंद्रित है, बल्कि शहर के लोगों को इसके महत्व के प्रति जागरूक कर रहा है। हर रविवार विशेष स्वच्छता एवं जन जागरूकता अभियान के तहत सामाजिक संस्था बस्ती विकास समिति एवं छात्र युवा दल द्वारा आज एक कदम स्वच्छता की ओर के अंतर्गत 'स्वच्छ बस्ती' सुंदर बस्ती' अभियान को नगर पालिका के सहयोग से वार्ड नम्बर 01 नरहरिया में चलाकर साफ–सफाई किया गया साथ ही साथ स्थानीय लोगों से वार्ता कर उन्हें अपने आस पास साफ सफाई रखने का निवेदन किया गया।

संस्थापक राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि स्वच्छ बस्ती सुंदर बस्ती अभियान न केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, बल्कि यह हमारे समाज और पर्यावरण के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है।

समिति उपाध्यक्ष अंकुर वर्मा ने कहा कि 27 अप्रैल से ही लगातार प्रत्येक रविवार यह अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत गलियों,घरों के सामने एवं सार्वजनिक स्थानों की साफ सफाई किया जा रहा है।

छात्र युवा दल जिलाध्यक्ष पवन वर्मा ने कहा कि इस अभियान में अपना अमूल्य सहयोग और परामर्श प्रदान कर हम सभी का सहयोग करें। नरहरिया सभासद अमरावती देवी ने कहा कि यह अभियान एक सार्थक पहल है लोगों को इस अभियान से प्रेरणा लेनी चाहिए।

इस दौरान मंडल प्रभारी विशाल पाण्डेय, संजय श्रीवास्तव, अमरनाथ चौरसिया, सौरभ श्रीवास्तव, रोहन श्रीवास्तव, मोहित सोनकर, अखिलेश त्रिपाठी, उमेश कुमार, विष्णु शर्मा, गणेश श्रीवास्तव, पार्थ श्रीवास्तव, सुरेन्द्र प्रसाद सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

महाकुंभ मेले में योगदान के लिये सम्मानित हुये कुलवेन्द्र सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महाकुंभ मेले में तीर्थ यात्रियों की सेवा और योगदान के लिये रेड क्रॉस सोसायटी के पूर्व जिला सचिव कुलवेन्द्र सिंह को प्रदेश इन्डियन रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया गया।

प्रदेश इन्डियन रेड क्रॉस सोसायटी, लखनऊ द्वारा प्रयाग राज में महाकुंभ मेले में दो माह तक कैम्प लगाकर तीर्थ यात्रियों की सेवा की गई। बस्ती से रेड क्रॉस सोसायटी के सदस्य शशांक राजगढ़िया, राजेन्द्र राजावत, रश्मित सिंह, सरदार दीपेंद्र सिंह एडवोकेट आदि ने योगदान दिया।

रेड क्रास सोसायटी के कुंभ मेला के संयोजक जय प्रकाश पाण्डेय और आरती ने प्रमाण–पत्र देकर उनके योगदान को सराहा। कुलवेन्द्र सिंह को सम्मानित किये जाने पर डा. वी.के. वर्मा, किशन गोयल, बबिता शुक्ला, अरूणभानी रामका के साथ ही रेडक्रास के अनेक सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

पंचायत चुनाव तैयारियों में जुटी सुभासपा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने संगठन को मजबूत करने की कवायद शुरू कर दी है। उन्होंने रविवार को बस्ती के अटल बिहारी वाजपेयी ऑडिटोरियम में चार मंडलों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

गोरखपुर, फैजाबाद, बस्ती और देवीपाटन मंडल के कार्यकर्ताओं के साथ हुई इस बैठक में 2027 के विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा की गई। राजभर ने कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता गांव–गांव जाकर

जनसंपर्क बढ़ाएं और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाएं।

बैठक में जिला अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, ब्लॉक संयोजक, महिला मोर्चा और युवा मोर्चा के पदाधिकारी शामिल हुए। राजभर ने कहा कि पार्टी का लक्ष्य 2027 के विधानसभा चुनाव में एक मजबूत विकल्प बनना है। उन्होंने पंचायत चुनाव को पार्टी विस्तार का अवसर बताया।

मंत्री राजभर ने कार्यकर्ताओं से सुझाव भी लिए। उन्होंने कहा कि हर कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ है। संगठन में अनुशासन और पारदर्शिता जरूरी है। बैठक में कार्यकर्ताओं ने पार्टी के लिए पूरी निष्ठा से काम करने का संकल्प लिया।

भारत–नेपाल सीमा पर पाकिस्तानियों के घुसपैठ की आशंका, हाई अलर्ट

बहराइच (आभा)। भारत–नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। दलअसल खुफिया रिपोर्ट में 30 से अधिक पाकिस्तानी और बांग्लादेशी नागरिकों द्वारा भारत में घुसपैठ करने की जानकारी मिली है। वहीं, इस सूचना के बाद सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) को उच्च सतर्कता बरतने का आदेश दिया गया है।

पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच, इन संदिग्ध व्यक्तियों के नेपाल पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। एसएसबी की 42वीं वाहिनी के सेनानायक गंगा सिंह उदावत ने बताया कि 35 से 37 बांग्लादेशी और पाकिस्तानी नागरिक अपने देशों से सीमा पार कर नेपाल आ गए हैं। उनकी योजना खुली सीमा के जरिए भारत में घुसपैठ करने की है, लेकिन सुरक्षा बल उन्हें तुरंत पकड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

कमांडेंट उदावत ने बताया कि एसएसबी ने गश्त तेज कर दी है और चौबीसों घंटे जांच अभियान चलाया जा रहा है। जवान सड़कों, जंगलों और सीमा के समीप गांवों में पैदल और वाहनों से गश्त कर रहे

हैं। उन्होंने यह भी कहा कि केवल भारतीय और नेपाली नागरिकों को ही नेपाल सीमा से भारत में प्रवेश की अनुमति दी जा रही है। इससे घुसपैठ की सभी कोशिशों को रोकने की कोशिश की जा रही है।

उत्तर प्रदेश के बहराइच समेत नेपाल से लगने वाले जिलों में स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में रखने के लिए एसएसबी ने सुरक्षा कड़ी कर दी है। बहराइच सहित पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और महराजगंज जिलों की नेपाल से 579 किलोमीटर लंबी सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था सशक्त की गई है। एसएसबी ने इस खतरे का मुकाबला करने के लिए जांच चौकियों की संख्या बढ़ाई है तथा संदिग्धों की पहचान पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि भारत की सीमाएं सुरक्षित रह सकें और देशव्यापी आतंकवाद के खतरों को रोका जा सके।

भारत दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बना

नई दिल्ली (आभा)। भारत आर्थिकारिक तौर पर जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। नीति आयोग के सीईओ बी वी आर सुब्रह्मण्यम ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। भारत ने यह उपलब्धि अपनी इकोनॉमिक पॉलिसी के कारण हासिल की है।

इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड यानी आईएमएफ के आंकड़ों का हवाला देते हुए सुब्रह्मण्यम ने कहा, 'हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। हम 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हैं। आज भारत जापान से बड़ा है। अब केवल अमेरिका, चीन और जर्मनी ही भारत से बड़े हैं।'

समाज के लिए प्रेरणास्रोत है अहिल्याबाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया विधानसभा के श्रृंगीनारी मंदिर के परिसर में रविवार को पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर जन्म त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के तहत विधानसभा पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन का आयोजन किया गया। हजारों की संख्या में महिलाओं, युवाओं, बच्चों, पार्टी कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ जनों की उपस्थिति में सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि सिद्धार्थनगर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष लाल जी त्रिपाठी और आयोजक हरैया विधायक अजय सिंह ने अहिल्याबाई होल्कर के चित्र पर पुष्प अर्पित करके किया। विधायक द्वारा बुके देकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अहिल्याबाई होल्कर ने अपनी कार्य कुशलता से समाज को नई दिशा दी उन्होंने साबित किया कि संकल्प, विवेक और धर्मपरायणता के साथ कोई भी स्त्री समाज और राष्ट्र की दिशा को बदल सकती है। रानी अहिल्याबाई होल्कर का संपूर्ण जीवन सेवा, समर्पण, त्याग और राष्ट्रधर्म के प्रति अपार निष्ठा का अद्भुत उदाहरण रहा है। उन्होंने नारी नेतृत्व की अद्वितीय मिसाल प्रस्तुत कर समाज को नई राह दिखाई है। विधायक ने कहा कि नारी सशक्तिकरण की प्रतीक, भारतीय संस्कृति एवं सनातन धर्म के पुनरुत्थान की अमर नायिका रही पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर का जीवन हर बेटी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनकी कहानी साहस, दृढ़ता और सामाजिक जिम्मेदारी के उदाहरण के रूप में देखी जाती है। विपरीत परिस्थितियों में भी अहिल्याबाई ने सनातन धर्म की पुनर्स्थापना का विराट कार्य अपने हाथों में लिया था जो हम सभी के लिए अनुकरणीय है।

सम्मेलन का संयोजक परशुरामपुर प्रमुख प्रतिनिधि श्रीश पाण्डेय, आशुतोष सिंह छोटे, विनय शंकर मिश्र, राम प्रगट सिंह, अखिलेश सिंह आदि ने संबोधित किया। विधायक द्वारा सम्मेलन में शामिल सभी के लिए जलपान और भोजन की व्यवस्था कराई गई। कार्यक्रम का संचालन विवेक कान्त पाण्डेय ने किया।

इस अवसर पर घनश्याम शुक्ल, जवाहर जायसवाल, विनोद गुप्ता, सर्वेंद्र सिंह, सुनील त्रिपाठी, शिवचरण जायसवाल, लक्की सिंह, ओमकार सिंह बड़े, बृजेश मिश्र, प्रेम शंकर ओझा, रवीश मिश्र, अखिलेश सिंह, भरत सिंह, निर्मल सिंह, वीरू सिंह, अर्जुन सिंह, धर्मध्वज सिंह सभासद, अन्तेश सिंह, परशुराम सिंह मुन्ना, सर्वदेव सिंह, आनन्द सिंह, रामलालित पाण्डेय, नीरज शुक्ल, मार्शल तिवारी, दीपक पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

2 मृतक आश्रित सफाई कर्मियों को मिला नियुक्ति पत्र, संघ ने पंचायतीराज मंत्री को सौंपा मांग पत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ पदाधिकारियों और सफाईकर्मियों ने जिलाध्यक्ष अजय कुमार आर्य के नेतृत्व में पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर को सर्किट हाउस में 12 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। कहा कि समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण कराया जाय। जिलाध्यक्ष अजय कुमार आर्य ने बताया कि पंचायती राज मंत्री ने समस्याओं के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया है। इसी कड़ी में संघ की पहल पर पंचायती राज मंत्री ने जिला पंचायत राज अधिकारी राजेश कुमार की उपस्थिति में दो मृतक आश्रित सफाई कर्मियों जावेद आलम और अंकुर को नियुक्ति पत्र सौंपा।

पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर को सौंपे 12 सूत्रीय मांग पत्र में सफाई को उपकरण उपलब्ध कराने, वरिष्ठता सूची तैयार कराये जाने, विकलांग सफाई कर्मियों को भत्ता दिलाये जाने, सर्विस बुक पूर्ण कराये जाने, वंचित सफाई कर्मियों के स्थायीकरण कराने, एसीपी लगाये

जाने, चिकित्सा प्रतिपूर्ति समस्या का समाधान कराने , एन.पी.एस. पासबुक बनाये जाने, बकाया ऐरियर भुगतान कराये जाने, मृतक आश्रित प्रकरणों का निस्तारण कराने, लिपिक संवर्ग का पटल परिवर्तित किये जाने, सफाई कर्मियों को उनके मूल तैनाती स्थल पर वापस किये जाने, सफाई कर्मियों का धनादोहन, शोषण बंद कराये जाने आदि की मांग शामिल है।

मांग पत्र देने के बाद उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष अजय कुमार आर्य ने बताया कि पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समस्याओं को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया है कि मांगों को शीघ्र पूरा कराया जायेगा। बताया कि सफाई कर्मियों की सेवा नियमावली और पदोन्नित के लिये कमेटी गठित की गई है, उसकी रिपोर्ट आने के बाद प्रक्रिया पूरी करायी जायेगी।

मांग पत्र देने के दौरान मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के मंत्री मनोज कुमार चौहान, कोषाध्यक्ष पेशकार, लेखा सम्प्रेक्षक अमित चकवर्ती, अशोक कुमार दूबे, राजेश कुमार, फूलचन्द राजभर, विपिन कुमार द्विवेदी, सियाराम, जंग बहादुर, सुधीर कुमार आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 26 मई 2025 सोमवार

सम्पादकीय

किशोरों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति

बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति एवं क्रूर मानसिकता चिन्ताजनक है, नये भारत एवं विकसित भारत के भाल पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। कैथल जनपद के गांव धनौरी में दो किशोरों की निर्मम एवं क्रूर हत्या की हृदयविदारक घटना न केवल उद्वेलित एवं भयभीत करने वाली है बल्कि चिन्ताजनक है। चौदह–पंद्रह साल के दो किशोरों की गला रेतकर हत्या कर देना और वह भी उनके हमउम्र साथियों द्वारा, हर संवेदनशील इंसान को हिला देने वाली डरावनी एवं खैफनाक घटना है, जो किशोरों में पनप रहे हिंसक बर्ताव एवं हिंसक मानसिकता का घिनौना एवं घातक रूप है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई–लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। जाहिर है दर्सवीं–ग्यारहवीं के छात्रों की क्रूर हत्या हमारे समाज में बढ़ती संवेदनहीनता को भी दर्शाती है। ऐसी कई अन्य घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है।

बड़ा सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है? पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई–लिखाई के तौर—तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर सिनेमा तक उसकी सोच–समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मनःस्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अभिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

बहरहाल, इस हृदयविदारक एवं त्रासद घटनाओं ने नयी बन रही समाज एवं परिवार व्यवस्था पर अनेक सवाल खड़े किये हैं। सवाल नये बन रहे समाज की नैतिकता एवं चरित्र से भी जुड़े हैं। निश्चित ही किसी परिवार की उम्मीदों का यूं कत्ल होना मर्मांतक एवं खौफनाक ही है। लेकिन सवाल ये है कि चौदह–पंद्रह साल के किशोरों पर यूं किन्हीं लड़कियों को छेड़ने के आरोप क्यों लग रहे हैं? पढ़ने–लिखने की उम्र में ये सोच कहां से आ रही है? क्यों हमारे अभिभावक बच्चों को ऐसे संस्कार नहीं दे पा रहे हैं ताकि वे किसी की बेटी व बहन को यूं परेशान न करें? क्यों लड़कियों से छेड़छाड़ की अश्लील एवं कामूक घटनाएं बढ़ रही है। क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था में नैतिक शिक्षा का वह पक्ष उपेक्षित हो चला है, जो उन्हें ऐसा करने से रोकता है? क्या शिक्षक छात्रों को सदाचारी व नैतिक मूल्यों का जीवन जीने की प्रेरणा देने में विफल हो रहे हैं? हत्या की घटना हत्यारों की मानसिकता पर भी सवाल उठाती है कि उन्होंने क्यों सोच लिया कि छेड़खानी का बदला हिंसा एवं क्रूरता से गला काटना हो सकता है? धनौरी की घटना के पूरे मामले की पुलिस अपने तरीके से जांच करेगी, लेकिन किशोर अवस्था में ऐसी घटना को अंजाम देने के पीछे बच्चे की मानसिकता का पता लगाना भी ज्यादा जरूरी है। दरअसल, दशकों तक बॉलीवुड की हिंदी फिल्मों ने समाज एवं विशेषतः किशोर पीढ़ी में जिस अपसंस्कृति का प्रसार किया, आज हमारा समाज उसकी त्रासदी झेल रहा है। इसमें दो राय नहीं कि किशोरवय में राह भटकने का खतरा ज्यादा रहता है।

इंटरनेट के विस्तार और सोशल मीडिया के प्रसार से स्वच्छंद यौन व्यवहार का ऐसा अराजक एवं अनियंत्रित रूप सामने आया कि जिसने किशोरों व युवकों को पथभ्रष्ट एवं दिग्भ्रमित करना शुरू कर दिया। आज संकट ये है कि हर किशोर के हाथ में आया मोबाइल उसे समय से पहले वयस्क बना रहा है। जिस पर न परिवार का नियंत्रण है और न ही शिक्षकों का। 'मन जो चाहे वही करो' की मानसिकता वहां पनपती है जहां इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, जहां व्यक्तिवादी व्यवस्था में बच्चे बड़े होते–होते स्वछन्द हो जाते हैं। अर्थप्रधान दुनिया में माता–पिता के पास बच्चों के साथ बिताने के लिए समय ही नहीं बच पा रहा।

युवाओं को प्रभावित करने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व नये–नये एप पश्चिमी अपसंस्कृति से संचालित हैं। इन पर अश्लीलता और यौन–विकृतियों वाले कार्यक्रमों का बोलबाला है। ऐसे बच्चों में मान–मर्यादा, शिष्टाचार, संबंधों की आत्मीयता, शांतिपूर्ण सहजीवन आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख–सुविधाएं एवं यौनाचार ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। भारतीय बच्चों में इस तरह का एकाकीपन उनमें गहरी हताशा, तीव्र आक्रोश और विषैले प्रतिशोध का भाव भर रहा है। इसका हल ढूंढना ही होगा।

निर्वासित बलोच सरकार को मान्यता के प्रश्न

—पुष्परंजन—

बलूचिस्तान में स्वतंत्र राष्ट्र के लिए जारी आंदोलन जोर पकड़ रहा है। खनिज–समृद्ध यह क्षेत्र पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है, पर सबसे गरीब भी। स्थानीय आबादी अपने संसाधनों की लूट व नरसंहार का सामना कर रही है। इसीलिए जमीनी स्तर पर दो प्रमुख समूहों बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट और बलूच लिबरेशन आर्मी का हिंसक विद्रोह जारी है। इनमें एकता के प्रयास भी हो रहे हैं। वहीं सियासी तौर पर सक्रिय डॉ. नायला कादरी ने निर्वासित बलोच सरकार गठित की है जिसके लिए भुगाव और मान्यता चाहिये। मदद की आस उन्हें भारत से है।

पंद्रह अगस्त, 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से इस्लामाबाद पर प्रहार किया। उन्होंने इस्लामी गणराज्य के नेताओं को बलूचिस्तान प्रांत और देश के उत्तर में गिलगित–बाल्टिस्तान क्षेत्र में हो रहे सितम की याद दिलाई। मोदी ने कहा, 'यह कैसा जीवन है, जो आतंकवाद से प्रेरित है? यह कैसा सरकारी तंत्र है जो आतंकवाद से प्रेरित है? दुनिया को इसके बारे में पता चल जाएगा और मेरे लिए यही काफी है। बलूचिस्तान, गिलगित और पीओके के लोगों ने पिछले कुछ दिनों में मुझे बहुत धन्यवाद दिया है, मैं उनका आभारी हू।' बलूच कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी की टिप्पणी का स्वागत किया। वे बलूच विद्रोहियों के लिए नायक जैसे हैं।

ईरान और अफगानिस्तान की सीमा पर स्थित बलूचिस्तान, पाकिस्तान का सबसे गरीब, और सबसे कम आबादी वाला प्रांत बना हुआ है। बलूचिस्तान का क्षेत्रफल 347,190 वर्ग किलोमीटर है। क्षेत्रफल के हिसाब से यह पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है, जो देश के कुल भूभाग का लगभग 44 फीसदी हिस्सा कवर करता है। वर्ष 2018 से बीएलए के नेता असलम बलूच, और उनके उत्तराधिकारी बशीर जैब बलूच अफगानिस्तान में ही रह रहे हैं। साल 2021 में तालिबान के कब्जे के बाद बीएलए गुट के लड़ाके निमरोज और हेलमंड चले गए, जो अफगानिस्तान का प्रान्त है। पाकिस्तानी सेना मानती है, कि मार्च 2025 में जाफर एक्सप्रेस के अपहरण को उपग्रह संचार कमांड के माध्यम से अंजाम दिया गया था, इसकी सारी प्लानिंग अफगानिस्तान में हुई थी।

करीब 20 वर्षों से हिंसक विद्रोह में शामिल दो बलूच अलगाववादी समूह कथित तौर पर विलय करके एक एकीकृत मिलिटेंट्स ग्रुप बनाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। एकीकरण में शामिल दो समूह, बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) और बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) इसके हमीदार यानी समर्थक हैं। इसके साथ–साथ छात्रों के एक समूह 'बलूच राजी अजोई संगर (बीआरएएस या बलूच नेशनल फ्रीडम फ्रंट)' को सक्रिय किया गया है। 'बीएलएफ' का नेतृत्व डॉ. अल्लाह नजर बलूच करते हैं, जो पहले चिकित्सक थे, बाद में गुरिल्ला नेता बन गए। साल 2004 में एक कार बम हमले के बाद डॉ. अल्लाह नजर बलूच कुख्यात हुए थे। इस बम विस्फोट में ग्वादर में काम करने वाले तीन चीनी इंजीनियर मारे गए थे, और 11 अन्य घायल हो गए थे। बीएलएफ ने, तटीय मकरान डिवीजन और अवारन जिले में अपनी उपस्थिति बनाए रखी है।

बीएलए' का नेतृत्व शुरू में बलाच मरी ने किया था, जो नवाब खैर बख्श मरी के बेटे हैं, जो खुद 1970 के दशक के बलूच विद्रोह में शामिल एक मार्क्सवादी नेता थे। बीएलए की स्थापना 2000 में हुई थी, हालांकि कुछ मीडिया और विश्लेषकों का अनुमान है कि यह समूह पिछले बलूच विद्रोहों, विशेष रूप से 1973 से 1977 के स्वतंत्र बलूचिस्तान आंदोलन का पुनरुत्थान है। कुछ स्रोतों के अनुसार, दो पूर्व केजीबी एजेंट कोड–नाम 'मिशा' और 'साशा' बीएलए के आर्किटेक्ट में से थे। उनके अनुसार, बीएलए का निर्माण बलूच छात्र संगठन (बीएसओ) के इर्द–गिर्द हुआ था। सोवियत संघ के अफगानिस्तान से वापस जाने के बाद बीएलए गायब हो गया क्योंकि यूएसएसआर ने फंडिंग वापस ले ली थी। साल 2007 में पाकिस्तान–अफगानिस्तान सीमा पर एक सैन्य अभियान में बलाच मरी की मौत के तीन साल बाद, 'बीएलए' को आंतरिक विभाजन का सामना करना पड़ा। यह समूह 2010 में दो गुटों में विभाजित हो गया, जिससे यूनाइटेड बलूच आर्मी (यूबीए) का उदय हुआ। बीएलए के नेता असलम बलूच को दिसंबर 2018 में अफगानिस्तान के कंधार में एक गुप्त आत्मघाती हमलावर ने मार गिराया था। असलम बलूच की मौत के बाद, पूर्व बीएसओ आजाद के अध्यक्ष, बशीर जैब ने बीएलए का नियंत्रण संभाला। इन गुटों में यदि विलय होता है, मकरान तट पर सरकारी एजेंसियों और चीनी परियोजनाओं में काम करने वालों पर हमले बढ़ सकते हैं।

जो सवाल अबतक जेरे बहस होना चाहिए, वो ये है, कि जमीन पर लड़ रहे गुटों में जब कोई नहीं है, तो जो नेता निर्वासन में हैं, उनकी वतन वापसी पर ये लोग क्या उन्हें बतौर प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति स्वीकार करेंगे? आजाद बलूचिस्तान के सपने को साकार करने के लिए डॉ. नायला कादरी बलोच ने निर्वासित बलोच सरकार की स्थापना की है। उनकी 'शैडो कैबिनेट' में वजा कादिर बकश निजामी, वजा सिदिक आजाद, आगा अब्दुल करीम अहमदजई, वजा युसूफ मुस्तीखान , बाबा जुम्मा खान, प्रो. एमवाई दुर्रा जैसी शख्सियतें भी हैं। वे स्वयं निर्वासित बलोच सरकार की स्वघोषित प्रधानमंत्री हैं। जिसकी स्थापना 21 मार्च 2022 को कहीं यूरोप में हुई थी। हालांकि सुरक्षा कारणों से इसका सटीक स्थान सार्वजनिक नहीं किया गया है। फिलहाल, डॉ. नायला कादरी बलोच कनाडा में रहती हैं। उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बलूचिस्तान के लोग 'नायक' की तरह देखते हैं।

डॉ. नायला कादरी बलोच लगातार भारत का दौरा करती रहती हैं। वे 2016 में भारत आई थीं। यह वो साल था, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बलूचिस्तान का मुद्दा अपने 15 अगस्त के भाषण में लाल किले से उठाया था। इसके बाद वे 2023 और 2024 में भी भारत आई थीं। नायला कादरी बलोच का जन्म 18 जुलाई, 1965 को क्वेटा में हुआ था। महिला अधिकारों के लिए समर्पित नायला की अंतर्राष्ट्रीय फोरम पर लगातार उपस्थिति बनी रहती है। बॉन–बर्लिन से लेकर जेनेवा तक उनके समर्थक एक्टिव हैं। डॉ. नायला बलोच को 'निर्वासित सरकार' के लिए भूगाव, सरकार की मान्यता, और दूतावास भी चाहिए। क्या ये सब कर पाना उनके 'नायक' नरेंद्र मोदी के लिए सम्भव है?

आगा मीर सुलेमान दाऊद जान अहमदजई, कलात के 35वें खान हैं। साल 1998 में अपने पिता मीर दाऊद जान की मृत्यु के बाद से वह इस पद पर बने हैं। 26 अगस्त 2006 को बलूचिस्तान के कोहलू जिले में एक सैन्य कार्रवाई में अकबर बुगती और उनके कई सहयोगियों की हत्या कर दी गई थी। उसी दौरान आगा मीर सुलेमान दाऊद जान लंदन आ गए और निर्वासन में रह रहे हैं। इनके पूर्वज कलात के खान मीर अहमद यार खान ने 12 अगस्त 1947 को बलूचिस्तान का पाकिस्तान में विलय करा दिया था। क्या इसमें रेडियो की कोई भूमिका रही थी? वो अतीत का सवाल था।

27 मार्च,1948 को ऑल इंडिया रेडियो ने वी.पी. मेनन की प्रेस कॉन्फ्रेंस की रिपोर्ट दी थी, जिसमें उन्होंने कथित रूप से दावा किया था कि दो माह पूर्व, कलात की खानते ने विलय के अनुरोध के साथ नई दिल्ली से संपर्क किया था, लेकिन नई दिल्ली ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। इस खबर की जानकारी होते ही मुहम्मद अली जिन्ना एक्शन में आ गए, और साम–दाम–दंड–भेद से बलूचिस्तान का विलय करा लिया। बता दें कि कवि, इतिहासकार और पत्रकार गुल खान नसीर की एक किताब 1993 में आई, 'तारीख–ए–बलूचिस्तान', जिसने इतिहास की परतें एकबार फिर खोलीं। गुल खान के अनुसार, 'इस रिपोर्ट का उद्देश्य पाकिस्तानी नेतृत्व को उत्तेजित करना था, ताकि वे जल्दबाजी में काम करें, जिससे भारत को हैदराबाद डेक्कन के खिलाफ आगे बढ़ने का मौका मिल जाए।'

अहमद यार खान ने अपनी जीवनी 'इनसाइड बलूचिस्तान' में लिखा है कि खारन, लास बेला और मकरान का पाकिस्तान में विलय पाकिस्तान के क्षेत्रीय संबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा था। उन्होंने चार प्रमुख प्रतिकूल प्रभाव सूचीबद्ध किए रू पहला, अफगानिस्तान के साथ संबंध खराब हो गएय दूसरा, बलूच के 'अपमान' ने हैदराबाद निजाम को भारत के साथ विलय स्वीकार करने को राजी कर लियाय तीसरा, महाराजा कश्मीर ने पाकिस्तान में विलय के अपने फैसले को बदल दिया और भारत में शामिल हो गएय चौथा, खाड़ी देशों के शेखध जिन्होंने शुरू में पाकिस्तान का पक्ष लिया था, वे भारत के साथ मिल गए।

27 मार्च, 1948 को ऑल इंडिया रेडियो दिल्ली ने एक रिपोर्ट प्रसारित की कि, 'जनवरी 1948 में कलात के खान ने भारत के साथ विलय पर चर्चा करने के लिए नई दिल्ली से संपर्क किया था। नई दिल्ली ने अनुरोध। या प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया।' अहमद यार खान ने इस कथित निराधार रिपोर्ट का विरोध करने हेतु भारत के गवर्नर–जनरल को टेलीग्राम भेजा और नई दिल्ली से कहा कि उनके पास जो सन्देश रिकार्ड में है, उसे जारी करें, अगर उन्होंने वास्तव में उनसे संपर्क किया था।बहरहाल, इस रिपोर्ट ने नई दिल्ली में हलचल मचा दी, जहां कई सवाल उठाए गए। इस मुद्दे पर भारतीय संसद में भी चर्चा हुई। कवि, पत्रकार, लेखक और लोकसभा सदस्य बालकृष्ण शर्मा ने इस मुद्दे को उठाया, और सरकार से विस्तृत जानकारी मांगी। इस प्रश्न का उत्तर देते हुए प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने कहा, 'मुझे यह अवसर पाकर खुशी हो रही है कि दुर्भाग्यवश उत्पन्न हुई एक गलतफहमी को दूर कर सकूं। मुझे खेद है कि रिपोर्टिंग में त्रुटि के कारण,27 मार्च रात को ऑल इंडिया रेडियो ने घोषणा की कि महामहिम खान ऑफ कलात ने भारत में विलय की अनुमति मांगने के लिए अपने एजेंटों के जरिये लगभग दो महीने पूर्व भारत सरकार से संपर्क किया था, लेकिन भारत सरकार सहमत नहीं हुई।

नीति नीयत सब नापाक, फिर भी कहिये 'पाकिस्तान' ?

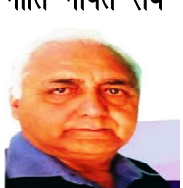

—तनवीर जाफरी—

स्वतंत्रता पूर्व 1941 में ब्रिटिश हुकूमत द्वारा कराई गयी भारत की जनगणना के अनुसार अविभाजित भारत की कुल जनसंख्या लगभग 39–40 करोड़ थी। जिसमें मुस्लिम आबादी लगभग 24–25: थी । इस आधार पर अविभाजित भारत में मुस्लिम जनसंख्या लगभग 9.5 से 10 करोड़ के आसपास थी। 1947 के विभाजन के समय भारत की कुल मुस्लिम आबादी का लगभग 35–40: हिस्सा पाकिस्तान और पूर्वी पाकिस्तान (1971 के बाद का बांग्लादेश) चला गया। जिन भारतीय राज्यों के अधिकांश मुस्लिम भारत छोड़कर गये उनमें खासतौर से पंजाब, सिंध, और उत्तर–पश्चिम सीमा प्रांत जैसे क्षेत्रों के मुस्लिम शामिल थे। पूर्वी बंगाल या पूर्वी पाकिस्तान में पहले से ही मुस्लिम बहुसंख्यक थे, इसलिए वहां अपेक्षाकृत कम प्रवास हुआ। विभाजन के समय मुस्लिम आबादी का लगभग 60–65: हिंस्सा भारत में ही रह गया। भारत में ही रहने का फैसला करने वाले अधिकांश मुस्लिम खास तौर से उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश व कई दक्षिणी राज्यों के थे। पाकिस्तान के अस्तित्व में आने के समय जो प्रक्रिया अपनाये गयी वह अत्यंत हिंसक और अव्यवस्थित थी जिसमें सभी धर्मों के लाखों लोग मारे गये।

बहरहाल, कहने को तो भारत से विभाजित होकर पाकिस्तान का गठन विश्व के सबसे बड़े मुस्लिम राष्ट्र निर्माण जैसे दुःस्वप्न को लेकर किया गया था। इसी मुहिम के अंतर्गत 1943 में उर्दू शायर असगर सौदाई ने यह नारा लिखा था –'पाकिस्तान का मतलब क्या है, ला इलाहा इल्ललाहइ। यह नारा हालांकि उस समय मुस्लिम लीग द्वारा अपनाया गया था परन्तु आज वहां कि न केवल अनेक कट्टरपंथी धार्मिक पार्टियाँ बल्कि वहाँ पनाह पा रहे अनेक आतंकी संगठन भी समय समय पर इस नारे का इस्तेमाल करते हैं। परन्तु यदि हम पाकिस्तान के गठन की घोषित मंशा और इस्लामी कलमे को पाकिस्तान के नाम के साथ इस्तेमाल करने की हकीकत को देखें तो हमें सब कुछ उल्टा नजर आता है। हकीकत तो यह है कि पाकिस्तान ने अपने वजूद में आते ही सिवाय नफरत, हिंसा, क्षेत्रवाद,फिरका परस्ती, भ्रष्टाचार,अल्पसंख्यकों पर जुल्म व आतंकवाद के सिवा दुनिया को कुछ दिया ही नहीं। अन्यथा प्रकृतिक सम्पदाओं से परिपूर्ण 1971 से पहले के इस भूभाग को आज दुनिया में आर्थिक व राजनैतिक रूप से इतना कमजोर व अलग थलग न रहना पड़ता।

पाकिस्तान की सत्ता एक तरफ तो पाकिस्तान का मतलब ला इलाहा इल्ललाह बताते हैं दूसरी तरफ इसी देश की सेना लगभग 30 लाख बंगाली मुसलमानों की हत्या कर देती है। जब पाकिस्तान ला इलाहा इल्ललाह के नारे के साथ अलग हुआ तो क्या कारण था कि बांग्लादेश का गठन यानी क्षेत्रवाद इस्लामी नारे पर भारी पड़ गया? यह आखिर कैसा इस्लाम है तो कैसा ला इलाहा इल्लल लाह? इसी पाकिस्तान पर 40 लाख अफगानी मुसलमानों का आरोप है। और इसी श्लल्लाह वाली श पाकिस्तानी सेना पर दो लाख से अधिक बलूचों की हत्या का भी इलजाम है ? आरोप तो यह भी है कि पाकिस्तानी सेना बलूच लोगों के घरों में आग लगाती है, उनके खेतों और बागों को नष्ट करती है, और बलोची युवाओं को अपहृत कर उनकी आंखें, दिल, और गुर्दे जैसे अंग बेच देती है। क्या यही पाकिस्तान के अस्तित्व में आने का मकसद था ? आज पाकिस्तान पर बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना द्वारा ष्जातीय सफायाष और ष्नरसंहारष करने जैसा संगीन इलजाम है। जियाउलहक के शासनकाल में उर्दन में 10 हजार फिलिस्तीनी एक ही रात में मारने का आरोप इसी पेशेवर पाक सेना पर है। यह कैसा इस्लामी देश है ? इसी पाकिस्तान पर भारतीय कश्मीर में गत छः दशकों से आतंकवाद व अशांति फैलाने का आरोप है। भारत में जगह जगह आतंकवादी हमले कराने जैसा अमानवीय व गैर इस्लामी काम पाकिस्तान करता रहा है। मस्जिदों से लेकर दरगाहों,इमामबारगाहों व धार्मिक जुलूसों पर आत्मघाती हमले करने वाले हमलावरों की पैदावार तैय्यार करने वाला पाकिस्तान जब यह कहे कि पाकिस्तान का मतलब,ला इलाहा इल्ललाह,तो इससे बढ़कर अफसोसनाक व शर्मनाक बात और क्या हो सकती है ? इसी नफरत की सियासत ने जुल्फिकार अली भुट्टो को फांसी के फंदे तक पहुंचा दिया। कल पाकिस्तान ने जिन तालिबानों की सरपरस्ती की थी वही आज पाकिस्तान के लिये बड़ी चुनौती बन चुके हैं। अफगानिस्तान में भी चार लाख लोगों की हत्या का इलजाम पाकिस्तान पर है। कहना गलत नहीं होगा कि स्वयं को लाइलाहा इल्ललाह का झंडाबरदार बताने वाले पाकिस्तान जैसे देश ने जितने मुसलमानों की हत्या की उतनी हत्याएं किसी अन्य मुस्लिम राष्ट्र ने नहीं की ।

फिल्मों के राइटर हीरो होते हैं

—डीजे नंदन—

बॉलीवुड में लेखक के रुतबे की बातें तो बहुत होती है लेकिन शायद ही किसी फिल्म की सफलता का श्रेय उसे दिया जाता हो। दरअसल, हिंदी सिनेमा अच्छे लेखकों के साथ तालमेल नहीं बिठा पाया है। सिने दर्शक भी कुछ हद तक इसके जिम्मेदार हैं। बीते दिनों सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया में लिखा–सभी फिल्मों के राइटर हीरो होते हैं। उनकी इस पोस्ट के बाद प्रतिक्रियाओं में किसी ने वाह वाह कहा, किसी ने बिग बी की विनम्रता को सैल्यूट किया। किसी ने सच की बयानी कहा। लेकिन बॉलीवुड में छोटे–बड़े पर्दे की लेखक बिरादरी ने बहुमत में उनकी इस टिप्पणी पर करीब–करीब ऐसा ही कहा– सब बातें हैं, बातों का क्या? हकीकत में उतरकर देखें तो यही सच है। अगर वाकई मायानगरी में लेखक की इतनी ही ताकत होती तो, किसी फिल्म की सफलता के जश्न में सबसे आगे लेखक रहता। सफलताओं के जश्न में लेखक को अमूमन याद भी नहीं किया जाता।

बॉलीवुड में लेखकों को उचित सम्मान न मिलने की एक वजह दर्शकों का रुख भी है। दरअसल ज्यादातर सिने दर्शक फिल्मों को समझने की ट्रेनिंग और शिक्षण से वंचित हैं। ऐसा नजरिया कम है कि वे रिश्तों और भावनाओं के ताने–बाने से बुनी फिल्म को क्रिएशन मानें और क्रिएटर यानी लेखक को श्रेय दें। वहीं गलत धारणा बनी हुई है कि जब फिल्म देखने जाएं तो दिमाग को एक तरफ रख दें। लोगों में यह धारणा बना रखी है ताकि वे बेसिर–पैर की फिल्मों के बारे में जवाबदेही न मांगें। इसलिए फिल्मों को मनोरंजन की एक ऐसी चाशनी में लपेट दिया है, जिसका उद्देश्य सिर्फ तथाकथित मनोरंजन का लुत्फ लेना है।

ज्यादातर सिनेमा बनाने वाले लोग अपनी मूल्यजनित प्रतिबद्धता से कन्नी काटना चाहते हैं। अगर दर्शक फिल्मों को गंभीरता से देखते होते, तो हमारे लेखकों को सचमुच रचनात्मकता की दुनिया में डूबकर फिल्में लिखनी पड़तीं और तब फिल्म के असली नायक अभिनेता नहीं, लेखक ही होते। बॉलीवुड में अगर कोई कॉमेडी फिल्म 100 करोड़ रुपये कमा ले तो भी निर्माता–निर्देशक तो छोड़िये उस फिल्म के दर्शक भी इसके लिए लेखक को इज्जत नहीं देना चाहते। ऐसे में लेखक थ्रिलर या ड्रामा लिखने को पहली प्राथमिकता देते हैं।

बॉलीवुड में अच्छे लेखकों की कमी नहीं है। लेकिन लेखक को अच्छे लेखन की बिना पर न तो इज्जत मिलती है और न वाजिब पारिश्रमिक। उसे निजी संपर्कों पर निर्भर रहना पड़ता है। हिंदी सिनेमा अच्छे लेखकों के साथ तालमेल नहीं बिठा पा रहा।

—इ.रि.सें.

अधिकांश निर्मित फिल्मों को विकास प्रक्रिया के दौरान कुछ हद तक फिर से लिखा जाता है। अक्सर, उन्हें स्क्रिप्ट के मूल लेखक द्वारा फिर से नहीं लिखा जाता है। कई स्थापित पटकथा लेखक, साथ ही नए लेखक जिनके काम में संभावनाएँ दिखती हैं, लेकिन उनमें बाजार की कमी है, वे अपनी आजीविका स्क्रिप्ट को फिर से लिखकर चलाते हैं। जब किसी पटकथा का केन्द्रीय आधार या पात्र अच्छे होते हैं, लेकिन पटकथा अन्यथा अनुपयोगी होती है, तो एक अलग लेखक या लेखकों की टीम को एक पूर्णतः नया प्रारूप तैयार करने के लिए अनुबंधित किया जाता है, जिसे अक्सर 'पृष्ठ एक पुनर्लेखन' कहा जाता है।जब केवल छोटी–मोटी समस्याएं रह जाती हैं, जैसे खराब संवाद या घटिया हास्य, तो एक लेखक को 'चमकाने' या 'पंच–अप' करने के लिए रखा जाता है। नए लेखक के योगदान के आकार के आधार पर, स्क्रीन क्रेडिट दिया जा सकता है या नहीं भी दिया जा सकता है।

पत्नी की हत्या के बाद पति ने ट्रेन के सामने कूद कर जान दिया

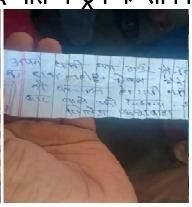

संवाददाता—देवरिया। एक युवक ने बीवी की हत्या करने के बाद ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। दंपति की मौत की सूचना मिलने के बाद पुलिस महकमे में खलबली मच गई। मौके पर पहुंचे सीओ समेत अन्य अधिकारी जांच पड़ताल में जुट गए। उधर, पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है। जिसमें पति ने बीवी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ये घटना सलेमपुर कोतवाली क्षेत्र के माथापार का है। जितेंद्र कुशवाहा अपनी पत्नी बेबी के साथ सूरत में रहता था। 11 मई को ही अपने गांव आया था। उसने रविवार की सुबह सलेमपुर—बरहज रेल खंड पर बुद्धिराम गढ़वा के समीप बरहजिया ट्रेन के सामने कूद कर जान दे दी। जितेंद्र की मौत की सूचना गांव पहुंची तो गांव के लोग उसके घर पहुंचे, जहां पत्नी बेबी मृत अवस्था में बेड पर पड़ी थी। सूचना पर सीओ दीपक शुक्ल, कोतवाल संतोष कुमार भी मौके पर पहुंच गए। बेबी के कपड़े से एक सुसाइड नोट बरामद किया गया।

मौके से बरादम किया गया सुसाइड नोट चार लाइन का है। जिसमें लिखा है कि अपने पत्नी का मर्डर मैंने किया है। इसमें किसी का हाथ नहीं है। केवल मैने किया है। यह बदचलन हो गई थी। भाग कर पूरे घर वालों को फंसाना चाहती थी।

वहीं, इस मामले में सीओ सलेमपुर दीपक शुक्ल ने बताया कि मौके पर पहुंच कर जांच की गई है। मौके से एक सुसाइड नोट भी बरामद किया गया है। मामले की जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया यह लग रहा है कि युवक ने पहले पत्नी की हत्या की है, फिर खुद ट्रेन के सामने कूद कर जान दी है। वहीं, पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। फॉरेसिंक टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्रित किया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

विशेष पूजा कराने पहुंचे थे कुशीनगर के लोग, ग्रामीणों ने पुलिस के हवाले किया

संवाददाता—महराजगंज। घुघली क्षेत्र के पिपरा मुंडेरी गांव में पूजा—प्रार्थना करने आए एक विशेष धर्म प्रवर्तकों को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। इससे हंगामा शुरू हो गया। ग्रामीणों ने पकड़े गए लोगों को घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस के हवाले कर दिया। पिपरा मुंडेरी गांव के एक परिवार में रविवार को कुछ बाहरी लोग आए और घर में विशेष पूजा शुरू की। ग्रामीणों का आरोप है कि विशेष पूजा करने आए आरोपित इसाई धर्म के प्रचारक हैं और इस विशेष पूजा में शामिल होने के लिए लोगों को प्रेरित करने लगे। ग्रामीण जब मौके पर पहुंच बाहर से आए लोगों से मिलने की बात करने लगे तो इस पर आरोपित भागने लगे। ग्रामीणों ने उन्हें पकड़ लिया और घुघली पुलिस को सूचना दी। थोड़ी ही देर में घुघली पुलिस मौके पर पहुंची। आरोपितों को थाने पर लाकर पूछताछ करने लगी। ग्रामीणों ने आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई के लिए घुघली पुलिस को तहरीर दी है। दोनों आरोपित कुशीनगर जनपद के अहिरौली थानाक्षेत्र के सिहुलिया गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। थानाध्यक्ष कुंवर गौरव सिंह ने बताया कि इस मामले में तहरीर मिली है। मामले में जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

छत पर सो रही महिला पर तेंदुए का अटैक, गर्दन दबोच खेत में लगाई छलांग, दृश्य देख कांप गई बच्चों की रूह

संवाददाता—बहराइच। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के सुजौली रेंज जंगल से सटे अयोध्यापुरवा गांव में शनिवार रात छत पर सो रही अधेड़ महिला को तेंदुआ उठा ले गया। हांका लगाते लोग महिला की तलाश में निकले। तो कुछ दूरी पर गन्ने के खेत में शव मिला। जिसके चलते परिजनों में हाहाकार मच गया। जानकारी पर पुलिस व वन महकमे की टीम मौक पहुंची है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। तेंदुए के हमले से इलाके में दहशत फैल गई है। सुजौली थाने के अयोध्यापुरवा निवासनी 45 वर्षीय जहीरा बानो पत्नी निसार अहमद शनिवार रात में परिवार के अन्य सदस्यों के साथ छत पर सो रही थी। शनिवार देर रात लगभग 2 — 3 बजे के बीच तेंदुआ छत पर चढ़ गया। तेंदुआ जहीरा बानो को गले से दबोच ले गया। तेंदुआ के हमले पर सब की नींद टूटी। उनके शोर पर ग्रामीण लाठी और डंडा लेकर हांका लगाते हुए दौड़े। कुछ दूरी पर गन्ने के खेत में महिला को छोड़ कर तेंदुआ गायब हो गया। ग्रामीणों ने महिला जहीरा बानों का शव खेत से बरामद हो गया। महिला के गले पर तेंदुए के दांत के निशान पाए गए है। तेंदुए के हमले से महिला की मौत के बाद परिजनों में हाहाकार मच गया।

कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के सुजौली रेंज जंगल से सटे अयोध्यापुरवा गांव में शनिवार रात छत पर सो रही अधेड़ महिला को तेंदुआ उठा ले गया। हांका लगाते लोग महिला की तलाश में निकले। तो कुछ दूरी पर गन्ने के खेत में शव मिला। जिसके चलते परिजनों में हाहाकार मच गया। जानकारी पर पुलिस व वन महकमे की टीम मौक पहुंची है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। तेंदुए के हमले से इलाके में दहशत फैल गई है।

सुजौली थाने के अयोध्यापुरवा निवासनी 45 वर्षीय जहीरा बानो पत्नी निसार अहमद शनिवार रात में परिवार के अन्य सदस्यों के साथ छत पर सो रही थी। शनिवार देर रात लगभग 2 — 3 बजे के बीच तेंदुआ छत पर चढ़ गया। तेंदुआ जहीरा बानो को गले से दबोच ले गया। तेंदुआ के हमले पर सब की नींद टूटी। उनके शोर पर ग्रामीण लाठी और डंडा लेकर हांका लगाते हुए दौड़े। कुछ दूरी पर गन्ने के खेत में महिला को छोड़ कर तेंदुआ गायब हो गया। ग्रामीणों ने महिला जहीरा बानों का शव खेत से बरामद हो गया। महिला के गले पर तेंदुए के दांत के निशान पाए गए है। तेंदुए के हमले से महिला की मौत के बाद परिजनों में हाहाकार मच गया। तेंदुए के हमले की सूचना पर थानाध्यक्ष हरीश कुमार सिंह पुलिस बल साथ मौके पर पहुंचे है। वन महकमे की टीम को सूचना दी गई। जानकारी वन विभाग की टीम भी पहुंच गई है। वन विभाग की टीम कांबिंग कर रही है। उधर, तेंदुए के हमले से इलाके दहशत फैल गई है।

मथौली में सैनिकों के सम्मान में तिरंगा यात्रा

संवाददाता—कुशीनगर। मथौली में रविवार को वरिष्ठ भाजपा नेता संजय सिंह मुन्ना के नेतृत्व में भारत शौर्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यह यात्रा भारतीय सैनिकों के शौर्य और बलिदान को समर्पित थी। बेदूपार स्थित मां सोनमती के स्थान से शुरू हुई बाइक रैली लोहझार, खोट्टा, भैसहीं, मछरगांवां जमुआन होते हुए सिंहपुर चौराहे पर समाप्त हुई। यात्रा में शामिल लोगों ने तिरंगा लेकर श्भारत माता की जयश, श्जय हिंदश और श्वंदे मातरमश के नारे लगाए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हाटा विधायक मोहन वर्मा ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सैनिकों की वीरता और देशभक्ति की गाथा है। उन्होंने कहा कि भारत के जवान देश पर आंच आने पर निर्णायक जवाब देते हैं। भाजपा नेता संजय सिंह मुन्ना ने तिरंगा यात्रा के माध्यम से पहलगाम हमले में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम में मारे गए भारतीय मूल के पर्यटक के सम्मान में शुरू किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष मोतीचक चंद्र पाल कन्नौजिया ने की। इस मौके पर दिलीप पाण्डेय, अरुण पाण्डेय, रामक्यास सिंह, सुबास भारती, सतेन्द्र सिंह, उमेश साहनी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ऑपरेशन सिंदूर बदलते भारत की तस्वीर —पंकज

संवाददाता—महराजगंज। रविवार को केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने अपने कैम्प कार्यालय पर कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात को सुना। इस दौरान उन्होंने देश की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और विकास योजनाओं पर प्रधानमंत्री की बातों को सार्थक और प्रेरणादायक बताया। कहा कि ऑपरेशन सिंदूर बदलते भारत की तस्वीर है। ऑपरेशन सिंदूर का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस सैन्य अभियान को केवल एक ऑपरेशन नहीं, बल्कि भारत के संकल्प, साहस और बदलती मानसिकता का प्रतीक बताया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने समस्त देशवासियों के हृदय को देशभक्ति से भर दिया और पूरे देश को तिरंगे के रंग में रंग दिया।

भारतीय सेना ने जिस वीरता से आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई की, उसने पूरे विश्व को भारत की सैन्य क्षमता और संकल्प का परिचय करा दिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह केवल सैन्य विजय नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास की गूंज है, जिसने साबित कर दिया कि आज का भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा और सम्मान से कोई समझौता नहीं करता। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियान आने वाले समय में भारत की रक्षा नीति की दिशा और दशा को तय करेंगे। मंत्री ने भारत की अर्थव्यवस्था पर बात करते हुए बताया कि आज भारत आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। यह केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतवासियों के परिश्रम और केंद्र सरकार की दूरदर्शी नीतियों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित भारत की ओर तेजी से अग्रसर है। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष संजय पाण्डेय, सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया, पूर्व जिलाध्यक्ष परदेशी रविदास, अजय कुमार श्रीवास्तव, कृष्ण गोपाल जायसवाल, चेयरमैन शिवनाथ मद्धेशिया, बबलू सिंह, विवेक गुप्ता, प्रदीप उपाध्याय, राकेश कुमार गुप्ता, लालचंद चौधरी, अभिषेक श्रीवास्तव, बचनू चौधरी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, पदाधिकारी और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

नवागंतुक एएसपी ने तीन थानों का किया निरीक्षण

संवाददाता—श्रावस्ती। नवागंतुक अपर पुलिस अधीक्षक ने तीन थानों का निरीक्षण किया। साथ ही भारत नेपाल सीमा का भ्रमण कर सुरक्षा का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। नवागंतुक अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चन्द्र उत्तम ने थाना सिरसिया, मल्हीपुर व हरदत्त नगर गिरंट थाने का रविवार को निरीक्षण किया। उन्होंने थाना कार्यालय, परिसर का निरीक्षण कर साफ सफाई का जायजा लिया। साथ ही अभिलेखों के रख रखाव का देखा और जरूरी निर्देश दिया। उन्होंने महिला हेल्प डेस्क व भोजनालय का भ्रमण कर जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों से उनके कार्यों की जानकारी ली तथा उन्हें कार्यालय व बैरकों में स्वच्छता बनाए रखने, मेहनत व लगन से कार्य करने, रात्रि गश्त को प्रभावी बनाने, सीमा से सटे इलाकों में विशेष सतर्कता रखने तथा संदिग्ध व्यक्तियों की नियमित निगरानी करने को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जनता से विनम्र व्यवहार करे। शिकायतों को प्राथमिकता से निस्तारित करें। इसके बाद उन्होंने सिरसिया क्षेत्र में भारत नेपाल सीमा का भ्रमण कर सुरक्षा का जायजा लिया। संदिग्ध गतिविधियों पर बारीकी नजर रखने का निर्देश दिया।

अंतिम संस्कार के लिए ले जाते समय पुलिस ने रोका शव

संवाददाता—महराजगंज। रविवार को सिसवा में एक 50 वर्षीय महिला की संदिग्ध मौत की सूचना पर कोठीभार पुलिस ने शव को दाह संस्कार के लिए ले जाते समय रास्ते में ही रोक दिया। मृतका के मायके व ससुराल पक्ष से पूछताछ और पूरी तस्दीक के बाद पुलिस ने तकरीबन दो घंटे के बाद शव को दाह संस्कार के लिए जाने दिया। सिसवा नगरपालिका के इंदिरा नगर वार्ड असमन छपरा निवासी 50 वर्षीया फेंकना देवी पत्नी ओमप्रकाश का रविवार को घर में ही निधन हो गया था। निधन के बाद परिजन दाह संस्कार की तैयारी कर घाट पर ले जाने लगे कि इसी बीच किसी अज्ञात व्यक्ति ने डायल 112 नंबर पर फेंकना की मौत को संदिग्ध मौत बताते हुए सूचना दे दी।

सूचना पर सिसवा चौकी प्रभारी उमाकांत सरोज ने पुलिस बल के साथ छोटी नहर के पास पहुंचकर शव को रोक दिया। पुलिस ने शव की जांच—पड़ताल के बाद मृतका के मायके व ससुराल पक्ष के लोगों से पूछताछ की। पूरी तस्दीक हो जाने के बाद करीब दो घंटे बाद पुलिस ने शव को दाह संस्कार के लिए भेज दिया। मामले में सिसवा चौकी उमाकांत सरोज ने बताया कि किसी अज्ञात ने गलत सूचना दी थी। उसका मोबाइल नंबर स्विच ऑफ जा रहा है। तस्दीक के बाद शव को दाह संस्कार के लिए भेज दिया गया है।

तेंदुए ने एक और निराश्रित मवेशी को बनाया निवाला

संवाददाता—बलरामपुर। पहाड़ी खरझार नाला के पास तेंदुए ने पांच दिन के भीतर फिर निराश्रित मवेशी को तेंदुए ने अपना निवाला बना लिया। रविवार भारे नाला किनारे शौच करने गए लोगों ने निराश्रित मवेशी का अवशेष पड़ा देखा। मवेशी का अवशेष देख किसान भयभीत होकर वहां से भाग निकले। उन्हें वहां तेंदुआ की आमद का भय सताने लगा। नाला किनारे मवेशी के पड़े अवशेष को चील कौवे नोंचकर खा रहे थे। वन विभाग की ओर से तेंदुआ पकड़ने के लिए लालनगर गांव में पिंजरा लगाया गया है, लेकिन अभी तक उसमें तेंदुआ नहीं फंस सका। वन विभाग टीम ग्रामीणों को तेंदुए से बचाव को लेकर जागरूक कर रही है। रविवार सुबह लगभग पांच बजे कनहरा निवासी बैठोले, रजोले, संतराम, मनोज कुमार आदि किसान नाला किनारे शौच करने गए थे। उन्होंने देखा कि एक निराश्रित मवेशी का अवशेष नाला किनारे पड़ा है, जिसे चील कौवे नोचकर खा रहे थे। तेंदुआ मवेशी का 80 प्रतिशत हिस्सा खा चुका था। यह दृश्य देख किसान भयभीत हो गए। उन्हें वहा तेंदुए की दोबारा आमद का डर सता रहा था। वह उल्टे पांव वहां से अपने घरों को लौट आए। अभी छह दिन पूर्व दर्जन भर ग्रामीण लाठी डंडे से लैस होकर दावत खाकर घर लौट रहे थे। लोगों ने टार्च की रोशनी में देखा कि तेंदुए ने कुत्ते को दौड़ाया है। कुत्ता थोड़ी दूर बाद जाकर रुक गया। उसमें भागने की हिम्मत नहीं बची थी। इसी बीच तेंदुए ने आराम से कुत्ते को जबड़े में दबोचा और चलता बना था। एक सप्ताह में हुई तीन घटनाओं से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि पिंजरा लगाकर तेंदुए को हर हाल में पकड़ना होगा। सालिकराम, मंगरे, राम मिलन, सल्लू, निबरे व राम दुलारे ने बताया कि नाला किनारे अक्सर तेंदुआ दिखता रहता है। वह लगभग दर्जन भर निराश्रित मवेशियों को अपना निवाला बना चुका है। सुबह निराश्रित मवेशियों के अवशेष नाला किनारे पड़े दिखते रहते हैं। समूह में फसल रखवाली को निकल रहे किसान लालपुर लैबुड्डी, लैबुड़वा, साहबनगर, लोहे पनिया, शांतिनगर, मैटहवा, हरिजनपुरवा, मिर्जापुर, मधनगर, रामपुर, बेलासपुर, छोटकी महदेइया, गुलरिहा, इंदवा, जोखूपुरवा, बरगदही, महदेइया, महादेव गोंसाई, खैरहनिया, मोतीपुर, सेहरिहवा आदि गांव के आसपास तेंदुए की दहशत फैली है। लोग अंधेरा होने के बाद बच्चों को घरों से बाहर नहीं निकलने देते हैं। फसलों की सुरक्षा के लिए समूह में किसान निकल रहे हैं। रामदत्त, परागदत्त, चौधरी, फागू चौहान, मेवालाल, निबरे, शोभाराम, मलिके आदि किसानों ने कहा कि पिंजरा लगाना आवश्यक हो गया है। नहीं तो किसी दिन बड़ी घटना हो सकती है। वन कर्मी गांव—गांव घूमकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। वे लोगों को अकेले खेत में न जाने की बात कहते हैं। बच्चों के सुरक्षा की विशेष ध्यान देने की सलाह दी गई है। 25 दिन पूर्व लगाया गया पिंजरा, नहीं फंसा तेंदुआ उधर लालनगर गांव में पिछले 25 दिन पूर्व पिंजरा लगाया गया है, लेकिन अभी तक तेंदुए को फंसाया नहीं जा सका है। सोमवार रात सुधीर तिवारी के सीसीटीवी कैमरे में तेंदुए की फोटो देखी गई थी, जिसको लेकर ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। प्रफुल्ल चन्द्र, माधव मिश्र, सुशील तिवारी, परमानंद पाण्डेय, जगदम्बा तिवारी आदि ने बताया कि फड़क्की पुरवा व कहांरपुरवा के बीच तेंदुआ झाड़ियों में रहता है। इन दोनों गांव में तेंदुआ अक्सर दिखता रहता है। मूड़ाडीह, गैंजहवा, लालनगर, समगरा, सोहागनपुरवा, गौरी डकही, मदारा, सिसई व बेनीजोत गांव में भी तेंदुए का खौफ है। लोगों का कहना हैकि गांव में पिंजरा लगवाकर तेंदुए को पकड़ना जरूरी है। कोट मानव आवादी वाले क्षेत्रों में तेंदुओं का दिखना, निराश्रित मवेशियों व कुत्तों का निवाला बनना कोई बड़ी बात नहीं है। डॉ सेम्मारन एम, डीएफओ सोहेलवा ने कहा कि वन विभाग की टीम लोगों को तेंदुए से बचाव का उपाय बता रही है।

ग्राम चौपाल 3.0 की फिर होगी शुरुआत, 3 जून से होगा आयोजन

संवाददाता—गोण्डा। गोंडा की जिलाधिकारी नेहा शर्मा जन शिकायतों के निस्तारण के लिए ग्राम चौपाल 3.0 कार्यक्रम की शुरुआत करने जा रही हैं। यह कार्यक्रम 3 जून 2025 से शुरू होगा। इसमें जिले की चारों तहसीलों के 40 चिन्हित गांवों में समाधान शिविर लगाए जाएंगे। नेहा शर्मा ने 2023 में जिले की कमान संभालते ही ग्राम चौपाल की शुरुआत की थी। इस पहल में वे खुद गांवों में जाकर लोगों की समस्याएं सुनती और उनका समाधान करती थीं। 2024 में इसे ग्राम चौपाल 2.0 के रूप में आगे बढ़ाया गया।

अब 2025 में ग्राम चौपाल 3.0 में उन गांवों को चुना गया है, जहां से प्ळै पोर्टल, संपूर्ण समाधान दिवस, थाना समाधान दिवस और जनता दर्शन में बार—बार शिकायतें आ रही हैं। इन शिविरों में राजस्व, पुलिस, स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायतीराज और समाज कल्याण विभाग की टीमें मौजूद रहेंगी। शिविरों में ग्राम सभा भूमि पर अतिक्रमण, जल जीवन मिशन के काम, नामांकन, टीकाकरण और सार्वजनिक संपत्तियों की स्थिति पर ध्यान दिया जाएगा। साथ ही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों के आवेदनों को मंजूरी दी जाएगी।

जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों और खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि ग्रामवासियों को पहले से सूचना दी जाए। साथ ही सभी विभागीय अधिकारी और कर्मचारी पूरी तैयारी के साथ शिविरों में मौजूद रहें। इस पहल का मकसद शासन की कल्याणकारी योजनाओं को जनपद के हर व्यक्ति तक पहुंचाना है।

बदलते भारत की तस्वीर है आपरेशन सिन्दूर—पीएम मोदी

संवाददाता—श्रावस्ती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मन की बात कार्यक्रम के जरिए लोगों से बात की। इस दौरान उन्होंने आपरेशन सिन्दूर को बदलते भारत की तस्वीर कहा। साथ ही भारतीय सेना के पराक्रम को जमकर सराहा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात के 122वें संस्करण का आयोजन जिले के सभी बूथों पर किया गया। जिसमें भाजपा जिलाध्यक्ष, विधायक, पदाधिकारी व सभी कार्यकर्ताओं ने बूथों पर पीएम के मन की बात कार्यक्रम को सुना। जिलाध्यक्ष डा. मिश्रीलाल वर्मा व विधायक राम फेरन पांडेय ने गिलौला मण्डल के दंदौली बूथ पर सेवा भारती के जिलाध्यक्ष राजीव पाण्डेय के संयोजन में आयोजित मन की बात कार्यक्रम को सुना। कार्यक्रम के समापन बाद जिलाध्यक्ष डा. वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम पूरी तरह भारतीय सेना के पराक्रम को समर्मित रहा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के शुरुआत में ही प्रधानमंत्री ने भारतीय सैनिकों को सेल्यूट करते हुए आपरेशन सिंदूर में उनके अदम्य साहस व पराक्रम की प्रशंसा की। साथ ही कहा कि पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट और संकल्प बद्ध है। विधायक राम फेरन पाण्डेय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी देश के हर कोने के महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर हमें प्रेरित करने का कार्य करते हैं। जैसे नार्थ ईस्ट के सिक्किम की पारंपरिक बुनाई के क्राफ्टेड ब्रांड, पोलियो से ग्रसित जीवन जोशी द्वारा चीड़ के पेड़ों से बनने वाली कलाकृतियों, ड्रोन दीदी महिलाओं द्वारा फसलों पर दवा का छिड़काव। इसी तरह प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम को जिले के 815 बूथों पर सुना गया।

फंदे से लटकती मिली युवती की लाश

संवाददाता—बहराइच। युवती का शव ससुराल में कमरे में दुपट्टे के फंदे से लटकता मिला। युवती की शादी महज एक महीने पहले हुई थी। मायके से आए परिजनों ने थाने में घटना की जानकारी दी। पुलिस ने मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। रामगांव थाने के बौकहा गांव के मजरा महरी में रविवार दोपहर में लगभग 11 बजे 20 वर्षीय मंजू देवी पत्नी रिंकू लोधी का शव कमरे में दुपट्टे के फंदे से लटकता मिला। इसे देखकर ससुराल वाले रोने—चिल्लाने लगे। जानकारी मिलते ही मंजू देवी के मायके रिसिया थाने के बंगला चक से परिजन पहुंचे। मंजू देवी पुत्री मंशाराम का विवाह एक माह पूर्व 28 अप्रैल को महरी गांव के रिंकू लोधी पुत्र धर्मपाल लोधी के साथ हुआ था। मौके पर पहुंची पुलिस ने मजिस्ट्रेट की निगरानी में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। थानाध्यक्ष सूरज कुमार राणा ने बताया कि रिपोर्ट आने पर मौत की वजह स्पष्ट होगी।

सीएम अरोग्य मेले में किया मरीजों का उपचार

संवाददाता—गोण्डा। क्षेत्र के पीएचसी पिपरी व डुमरियाडीह में रविवार को मुख्यमंत्री जनआरोग्य मेले का आयोजन हुआ। डॉ नीना खुराना ने बताया कि मेले में कुल 58 मरीज का इलाज किया गया। पीएचसी डुमरियाडीह के डॉ. कौशलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि कुल 39 मरीज देखे। इस दौरान अनुराग सिंह, राधा त्रिपाठी, अंजनी कुमार मिश्रा, प्रेम कुमार चौहान, दुर्गेश कुमार चौहान , प्रियंका, एसके सिंह, शैलेन्द्र कुमार तिवारी आदि रहे।

15 दिन बाद घर पहुंचे राकेश ने तोड़ा दम

संवाददाता—श्रावस्ती। नौ मई को सड़क हादसे में घायल हुआ था राकेश —हादसे के एक दिन पहले हुई थी राकेश की शादी गिरंटबाजार, संवाददाता। जिस घर में शादी की खुशियां मनाई जानी थी उस घर में मातम पसर गया है। सड़क हादसे में एक युवक गंभीररूप से घायल हो गया था। जिसने 15 दिन बद घर आते ही दम तोड़ दिया। इससे परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। हरदत्तनगर गिरंट थाना क्षेत्र के काशीपुरवा निवासी राकेश यादव (21) पुत्र सुग्रीव यादव बीते नौ मई को सड़क हादसे का शिकार हो गया था। गंभीर हालत में राकेश को ट्रामा सेन्टर लखनऊ में भर्ती कराया गया था जहां उसका इलाज चल रहा था।

ठीक होने पर परिवार के लोग राकेश को अस्पताल से डिस्चार्ज कराकर शनिवार देर शाम को घर पहुंचे। वाहन से उतरते ही अचानक राकेश की मौत हो गई। बताया जाता है कि सात मई को राकेश की शादी थी। आठ मई को दूल्हन लेकर बारात वापस घर लौटी। आगे दिन नौ मई को घर में बहूभोज का आयोजन था। इस दौरान राकेश अपन दोस्त साबित पुत्र रंगीलाल दहेज में मिली बाइक लेकर गिरंटबाजार गया था। वापस लैटते समय अज्ञात वाहन की टक्कर से दोनों घायल हो गए थे। इसमें साबितराम को बहराइच जबकि राकेश यादव क इलाज ट्रामा सेन्टर लखनऊ में चल रहा था। राकेश ठीक हो चुका था इस पर परिजन उसे लेकर शनिवार देर शाम को घर पहुंचे।

वाहन से नीचे उतरते ही अचानक उसकी तबियत खराब हुई और परिवार के लोग जब तक कुछ समझ पाते उससे पहले की राकेश की मौत हो गई। इससे परिजनों में मातम पसर गया। घर आई नई बहू के हाथ की मेंहदी भी अभी ठीक से नहीं छूटी थी कि उससे पहले ही उसका सुहाग उजड़ गया।

फर्राटा पंखे में उतरे करंट से महिला की हुई मौत

संवाददाता—श्रावस्ती। एक महिला गर्मी से राहत पाने के लिए घर में फर्राटा पंखा लगा रही थी। इस दौरान पंखे में उतरे करंट की चपेट में आकर महिला की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमर्टम के लिए भेज दिया। सिरसिया थाना क्षेत्र के जोखवा बाजार निवासी हसीना बेगम (35) पत्नी रोज अली रविवार दोपहर में घर का काम निपटाने के बाद गर्मी से राहत पाने के लिए फर्राटा पंखा लगा रही थी। हसीना ने पंखे का प्लग बिजली बोर्ड से जोड़ दिया और पंखे को एक स्थान से उठाकर दूसरी जगह रखने लगी। इस दौरान पंखे में करंट उतर रहा था। पंखे को छूते ही वह करंट की चपेट में आ गई और उसका हाथ पंखे में चिपक गया। एक बार चिल्लाई जिसे सुनकर घर लोग मौके पर पहुंच गए। परिजनों को हसीना का हाथ पंखे से चिपका देख करंट का अंदाजा हो गया। इस पर परिजनों ने पंखे का प्लग बिजली बोर्ड से निकालने के बाद महिला को पंखे से अलग किया। लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मौत की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। लोगों की ओर से घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अजगर का आतंक, तालाब के पास बकरी को निगला

संवाददाता—गोण्डा। वजीरगंज क्षेत्र के करनीपुर मजरे लालापुरवा में स्थित तालाब अजगरों का ठिकाना बन गया है। रविवार दोपहर दो बजे एक अजगर ने तालाब के पास घास चर रही बकरी को निगल लिया।

गांव के निवासी गंगाराम ने बताया कि इससे पहले भी कई बकरियां गायब हो चुकी हैं। ग्रामीणों को आशंका है कि उन बकरियों को भी अजगरों ने ही निगल लिया है। स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है क्योंकि तालाब के पास बच्चे भी खेलने आते हैं।

ग्रामीणों ने अजगरों को पकड़ने की मांग की है। वन क्षेत्राधिकारी अभिषेक सिंह का कहना है कि तालाब के किनारे अजगरों का प्राकृतिक निवास स्थल होता है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि बाहर घूमते अजगरों को पकड़कर सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जाएगा।

अनुष्का शर्मा के साथ रामनगरी पहुंचे विराट कोहली, हनुमानगढ़ी और रामलला के किए दर्शन

संवाददाता–अयोध्या। भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली रविवार को पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ अयोध्या पहुंचे। यहां उन्होंने हनुमानगढ़ी और राम जन्मभूमि में रामलला के दर्शन किए। इस दौरान हनुमानगढ़ी मंदिर पर अनुष्का शर्मा और विराट कोहली को देखने के लिए भारी भीड़ उमड पड़ी। इसके चलते प्रशासन को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। हनुमानगढ़ी के पुजारी हेमंत दास ने हनुमानगढ़ी पर फिल्म अभिनेत्री अनुष्का शर्मा और भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली को दर्शन पूजन कराया। इस दौरान हनुमान जी की प्रतिमा और अंगवस्त्र भेंट कर उनका स्वागत भी किया। विराट और अनुष्का ने हनुमानगढ़ी और राम जन्मभूमि के बारे में हनुमानगढ़ी के सागरिया पट्टी के श्रीमहंत ज्ञान दास के उत्तराधिकारी महंत और संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय दास से बंद कमरे में मुलाकात की। विराट कोहली का जादू शहर में क्रिकेट प्रेमियों के सिर पर चढ़ कर बोल रहा है। बंगलूरू से लखनऊ शिफ्ट हुए मुकाबले में उम्मीद से कहीं ज्यादा दर्शक पहुंचे। महज दो दिन के भीतर ऑनलाइन टिकट बिकने शुरू हुए। देखते ही देखते मुकाबले वाले दिन 35 हजार से करीब दर्शकों अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। ऐसे में 27 मई को होने वाले मुकाबले में स्टेडियम दर्शकों से खचाखच भरा नजर आएगा।

टेस्ट क्रिकेट से सन्यास की घोषणा के बाद विराट की फैन फालोइंग बढ़ गई है, जो मुकाबले में पंत एंड कंपनी की मुश्किलें बढ़ा सकती है। हैदराबाद के खिलाफ हुए मुकाबले में बंगलूरू का दिग्गज बल्लेबाज लय में दिखा। ऐसे में लखनऊ के खिलाफ विराट बड़ा अंतर पैदा कर सकते है। वे लखनऊ की कमजोर गेंदबाजी का पूरा लाभ उठाने की कोशिश करेंगे।

शहर के सेंट्रम होटल में रॉयल चैलेंजर्स बंगलूरू की टीम ठहरी हुई है। किंग कोहली भी अपने परिवार के साथ यहां पर मौजूद रहे। विराट ने शनिवार को परिवार के साथ होटल में ही दिन गुजारा। यहां पर उन्होंने टेबल टेनिस के साथ पिकल बॉल और अन्य खेलों का आनंद लिया। साथ ही उन्होंने स्वीगिंग भी की। इसके बाद दोनों ने लखनवी खाने का भी लुत्फ उठाया।

खेत पर सो रहे रिटायर्ड अमीन की धारदार हथियार से वार करके हत्या

संवाददाता–अयोध्या। शनिवार की रात खेत में लगे ट्यूबवेल के बाहर सो रहे रिटायर्ड सहकारी कुर्क अमीन की निर्मम हत्या कर दी गई। आसपास खून की छींटे फैले थे। रविवार की सुबह घटना की जानकारी हुई तो इलाके में खलबली मच गई। जमीन विवाद को लेकर हत्या की आशंका जताई जा रही है। घरवालों की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज करके दो आरोपियों को हिरासत में लिया है।

घटना तारुन थाना क्षेत्र के बारा गांव की है। गांव से करीब 400 मीटर उत्तर की तरफ कर्मराज यादव (65) का खेत में कत्ल किया गया है। यहां उनका ट्यूबवेल लगा था। लोगों ने बताया कि वह सहकारी कुर्क अमीन के पद से सेवानिवृत्त थे। रिटायर्ड होने के बाद वह रात में वहीं रुकते थे। शनिवार की रात वह ट्यूबवेल के बाहर छप्पर के नीचे तख्त पर सो रहे थे। इसी बीच हमलावरों ने धारदार हथियार से हमला करके उनकी नृशंस हत्या कर दी।

रविवार सुबह जानकारी होने पर खेत में भीड़ जमा होने लगी। खून के छींटे ट्यूबवेल की दीवार तक फैले थे। तख्त पर मोबाइल रखा था। नीचे टार्च व पानी की बोतल पड़ी थी। थोड़ी दूर पर बाल्टी व मग रखा था। मृतक अमीन को दो बेटे हैं। बड़ा बेटा दिनेश नेतवारी साधन सहकारी समिति में सचिव है। छोटा बेटा राहुल है। हत्या का कारण जमीन विवाद बताया जा रहा है।

एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने एसएचओ बीकापुर लालचंद्र सरोज, एसओ हैदरगंज विवेक राय और तारुन एसओ संदीप त्रिपाठी के साथ मौका मुआयना किया। फोरेंसिक टीम साक्ष्य संकलित किए। एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने बताया कि मृतक के बेटे दिनेश यादव की तहरीर पर पड़ोसी कृष्णावती, उनके दो बेटों और एक अज्ञात के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की की गई है। दो आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

लगातार दूसरे दिन एनकाउंटर, गोली लगने के बाद एक और गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। पुलिस पशु तस्करों के पीछे पड़ी है। गोरखपुर में लगातार दूसरे दिन एनकाउंटर हुआ है। रविवार की भोर में पुलिस ने एक तस्कर को मुठभेड़ में गोली लगने के बाद गिरफ्तार कर लिया। यह तस्कर बिहार के पशु तस्कर गिरोहों से जुड़ा है। वह उनकी गोरखपुर शहर से पशुओं को उठाने में मदद करता था। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर हुई घेराबंदी में सरेंडर करने की बजाए फायरिंग कर भागने की कोशिश कर रहे तस्कर को पुलिस की जवाबी फायरिंग में पैर में गोली लगी है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पकड़े गए पशु तस्कर की पहचान अनूप यादव के रूप में हुई है। यह गोरखपुर के गुलरिह थाना क्षेत्र के हरसेवकपुर का रहने वाला है और बिहार के पशु तस्कर के साथ मिलकर काम करता था। वह पहले के दो मुकदमों में गोरखपुर के थाना शाहपुर से वांछित थी चल रहा था।

एसपी सिटी ने अभिनव त्यागी ने बताया कि शनिवार की रात में पुलिस की चेकिंग अभियान जारी थी इस बीच एक संदिग्ध युवक बाइक से आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोकने का इशारा किया तो वह भागने लगा। पीछा करने पर पुलिस टीम पर आरोपित ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में उसके पैर में गोली लगी और वह बाइक सहित जमीन पर गिर पड़ा। पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया। पैर में गोली लगने की वजह से उसे अस्पताल में भर्ती कराय गया। उसकी पहचान अनूप यादव के रूप में हुई।

पता चला कि पशु तस्करों के लिए यह लोकल हैंडलर के रूप में काम करता था। शहर में पशुओं को उठाने की व्यवस्था करता था और बाइक से खुद पिकअप के आगे रहते हुए रास्ता बताता तथा पुलिस की चेकिंग आदि से उन्हें खबर करता था। एसपी सिटी ने बताया कि शनिवार की भोर में हुए मुठभेड़ में साहब अंसारी के साथ अनूप भी था लेकिन वह फरार हो गया था उसके बाद से ही उसकी तलाश चल रही थी। अनूप यादव पर कई मुकदमे दर्ज हैं। पहले के दो मुकदमों में वह शाहपुर थाने से वांछित था।

बता दें कि गोरखपुर, कुशीनगर और आसपास के जिलों में पशु तस्करों के कई गैंग वर्षों से सक्रिय रहे हैं। उत्तर प्रदेश में गोकशी पर शिकंजा कसने और पशु तस्करों के खिलाफ पुलिस की मुस्तैदी से काफी हद तक ऐसी घटनाओं पर विराम लगा है लेकिन फिर भी बिहार के पशु तस्करों से जुड़कर इस काले धंधे को जिंदा रखने की कोशिश में पशु तस्कर जुटे रहते हैं। इधर, पुलिस लगातार उनके खिलाफ अभियान छेड़े हुए है। लगातार दूसरे दिन शनिवार के बाद रविवार को गोरखपुर में हुए एनकाउंटरों को इसी अभियान से जोड़कर देखा जा रहा है।

मेजबान उत्तर प्रदेश को हराकर इंडियन रेलवे बना चैंपियन

संवाददाता–गोरखपुर। वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में चल रही 36वीं फेडरेशन कप हैंडबॉल चौंपियनशिप (पुरुष–महिला) के महिला वर्ग का खिताब इंडियन रेलवे ने जीत लिया है। रविवार को सांसें थाम देने वाले रोमांचक फाइनल मुकाबले में इंडियन रेलवे ने मेजबान उत्तर प्रदेश की टीम को 18–17 अंकों से शिकस्त दी। प्रतियोगिता के तीसरे दिन रविवार को सुबह महिला वर्ग के सेमीफाइनल मैच खेले गए। पहले सेमीफाइनल मैच में भारतीय रेलवे ने राजस्थान को शिकस्त देकर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमीफाइनल में उत्तर प्रदेश ने गुजरात को हराकर फाइनल का टिकट कटाया। उतार–चढाघ वाले फाइनल मैच में अंततरू भारतीय रेलवे ने एक अंक के अंतर से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम कर लिया। प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग की सेमीफाइनल टीमें भी तय हो गई हैं। पुरुष वर्ग में मेजबान उत्तर प्रदेश, सीआईएसएफ इंडियन रेलवे और एसएससीबी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंतिम चार में प्रवेश कर लिया है। सेमीफाइनल मुकाबले आज (रविवार) शाम को खेले जाएंगे। पहला सेमीफाइनल मैच यूपी बनाम सीआईएसएफ, जबकि दूसरा मैच इंडियन रेलवे बनाम एसएससीबी होगा। पुरुष वर्ग का फाइनल मैच और पुरस्कार वितरण समारोह 26 मई को शाम 5 बजे से होगा। उल्लेखनीय है कि पहली बार गोरखपुर में फेडरेशन कप का आयोजन हो रहा है। चार दिवसीय राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ 23 मई को हुआ था। प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में देश की श्रेष्ठ 9 टीमें और महिला वर्ग में 7 टीमें प्रतिभाग कर रही हैं।

बेलहर में चोरों ने उड़ाई बोलेरो

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के नगर पंचायत बेलहर कला में शनिवार की रात मुख्य सड़क पर खड़ी एक बलेरो गाड़ी चोरी हो गई। बोलेरो गाड़ी चालक देवेन्द्र कुमार यादव के घर के सामने खड़ी थी और चाबी उनके पास थी। चोरी की यह घटना स्थानीय लोगों में दहशत और आक्रोश का कारण बन गई है। पीड़ित गाड़ी मालिक अशोक कुमार गुप्ता पुत्र रामधनी निवासी जंगल बेलहर ने थाने में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। अशोक कुमार का कहना है कि उनकी गाड़ी रोज की तरह शनिवार रात भी नगर पंचायत स्थित चालक के घर के सामने मुख्य सड़क पर खड़ी थी, लेकिन सुबह पता चला कि गाड़ी गायब है।

चोरी की इस घटना ने नगर पंचायत में लगे सीसीटीवी कैमरे और पुलिस की सजगता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। इसी क्षेत्र में कुछ महीने पूर्व भी एक बलोरो और एक पिकअप वाहन चोरी हो चुका है, लेकिन पुलिस अभी तक किसी भी मामले का खुलासा नहीं कर सकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पंचायत में महज कुछ मीटर दूरी पर भारतीय स्टेट बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा जैसे महत्वपूर्ण संस्थान स्थित हैं, फिर भी सुरक्षा व्यवस्था नाकाफी नजर आ रही है। पुलिस की रात्रि गश्त पर भी सवाल उठने लगे हैं। इस संबंध में थाना प्रभारी श्याम मोहन ने बताया कि पुलिस सभी बिंदुओं से जांच कर रही है और जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

धरना दे रहे बिजलीकर्मियों को 5.5 करोड़ रुपये वसूली का नोटिस जारी, रकम अदा नहीं की तो होगी एफआईआर

संवाददाता–अयोध्या। संविदा बिजली कर्मियों के धरने के 34वें दिन संविदा विद्युत कर्मियों को 5.5 करोड़ रुपये वसूली का नोटिस जारी किया गया है। यह नोटिस मुख्य अभियंता वितरण अशोक कुमार चौरसिया ने जारी किया है। अपनी मांगों के समर्थन में आउटसोर्सिंग बिजली कर्मियों का धरना 34वें दिन भी जारी रहा। मुख्य अभियंता वितरण अशोक कुमार चौरसिया ने अब साढ़े पांच करोड़ का नोटिस जारी किया है। जारी नोटिस में कहा गया है कि आपकी ओर से 23 अप्रैल से धरना–प्रदर्शन में उच्च तीव्रता के लाउडस्पीकर्स का प्रयोग किया जा रहा है। इसके कारण विभागीय कार्य बाधित हो रहा है। राजस्व का नुकसान भी हो रहा है। अपेक्षा है कि अविलंब धरना प्रदर्शन स्थगित करना सुनिश्चित करें। अन्यथा 23 से 31 अप्रैल तक 50 लाख रुपये प्रतिदिन व एक से 20 मई तक प्रतिदिन 10 लाख के हिसाब से क्षति की वसूली की जाएगी।

रकम अदा न करने पर एफआईआर की चेतावनी भी दी गई। इससे पहले भी मुख्य अभियंता की ओर से नोटिस जारी किया जा चुका है। बिजली कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले धरना दे रहे हैं। दरअसल एक माह पहले 200 से अधिक संविदा बिजली कर्मियों को बिना नोटिस के बाहर कर दिया गया था। नौकरी पर वापस लेने के लिए संविदाकर्मी एक माह से मुख्य अभियंता कार्यालय के सामने धरना दे रहे हैं।

पहले बेटे की गई जान, अब मां ने भी तोड़ा दम, वज्रपात की चपेट में आने से हुए थे घायल

संवाददाता–गोरखपुर। बुधवार को रजही गांव में होने वाले वज्रपात से घायल महिला कैलाशी 50 की भी रविवार को मौत हो गई। घायल होने के बाद एम्स में कैलाश देवी का इलाज चल रहा था। हादसे के दिन आकाशी बिजली गिरने से कैलाश के पुत्र धीरज की मौत हो गई थी। मां कैलाश गंभीर रुप से घायल हो गई थी।

जानकारी के मुताबिक, जंगल रामगढ़ उर्फ रजही शिवमंदिर टोला निवासी मुन्नीलाल मौर्या की पत्नी कैलाशी देवी (48) अपने बेटे धीरज मौर्या (19) के साथ बुधवार सुबह खेत में गई थी। मां–बेटे सब्जी तोड़ रहे थे। इसी समय अचानक बरसात शुरू हुई और वज्रपात गिरने से दोनों झुलस गई थी।

आसपास के लोगों ने घरवालों को सूचना देने के साथ ही एम्स अस्पताल लेकर दोनों को पहुंचे। वहां इमरजेंसी में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान धीरज मौर्या की मौत हो गई। जबकि कैलाशी देवी की हालत गंभीर बनी हुई थी। रविवार को मां कैलाशी देवी की भी मौत हो गई।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में रविवार की सुबह कोतवाली खलीलाबाद के भाटपार में रेलवे क्रासिंग पार करते समय एक महिला की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली पुलिस के अनुसार रविवार की सुबह लगभग 8.15 बजे ग्राम भाटपार के निवासिनी जनक नंदिनी (60) पत्नी रामकिशोर चौहान भाटपार में रेलवे क्रॉसिंग को पार कर रही थी। इसी दौरान ट्रेन की चपेट में आ गईं। ट्रेन से कटने से मृत्यु हो गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

बलिदानी लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी के परिवार से मिले सांसद अवधेश प्रसाद

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या के लाल लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी सिक्किम में बलिदान हो गए। रविवार को समाजवादी पार्टी से सांसद अवधेश प्रसाद उनके परिवार से मिले। परिवार से मुलाकात करके शोक व्यक्त किया। उन्होंने योगी सरकार से बलिदानी शशांक तिवारी के नाम पर उनके घर तक सड़क बनाने की मांग की। सांसद ने बलिदानी के परिवार को एक करोड़ रुपये की सहायता देने की मांग की है। सांसद अवधेश प्रसाद ने सांसद निधि से लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी के नाम पर एक द्वार बनाए जाने का संकल्प भी लिया है। सिक्किम में अपने साथी को बचाते हुए अयोध्या के लाल लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी वीरगति को प्राप्त हो गए थे। शनिवार को राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार हुआ था। इस दौरान सांसद ने कहा कि शशांक तिवारी ने पूरे देश में वीरता का परिचय दिया है। उनका नाम स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। छात्र जीवन से ही शशांक होनहार थे। ऐसे प्रतिभाशाली लाखों में एक पैदा होते हैं। ऐसी मां को भी प्रणाम है, जिन्होंने इस बहादुर को जन्म दिया। अयोध्या सांसद ने जिलाधिकारी से मांग करते हुए कहा कि सड़क निर्माण को लेकर तत्काल नाप जोख किया जाए और शासन से पैसा स्वीकृत करते हुए जुलाई तक हर हाल में बलिदानी के घर जाने वाली सड़क को बनावाया जाए। सांसद ने कहा कि सांसद निधि से बलिदानी लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी के नाम पर एक द्वार बनाने का मैं संकल्प लेता हूं।

सीएचसी की ओपीडी कर रहा महिला चिकित्सक का भाई, फोटो वायरल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। स्वास्थ्य विभाग के लोटन सीएचसी पर मौलाना की वेशभूषा में ओपीडी करते एक बाहरी व्यक्ति का फोटो वायरल हो रहा है। वह सीएचसी पर तैनात महिला चिकित्सक का भाई बताया जा रहा है। वायरल फोटो का संज्ञान लेते हुए सीएमओ ने संबंधित व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर कराने के लिए अधीक्षक को निर्देश दिए हैं। वायरल फोटो एक से दो दिन पुराना बताया जा रहा है। हालांकि, भारतीय वायरल फोटो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। दरअसल, लोटन सीएचसी पर तैनात एमबीबीएस चिकित्सक डॉ. फातिमा बेगम गुड़नामपुर, बृजमनगंज, जनपद महराजगंज की निवासी हैं। यह हर रोज अपने घर से लोटन सीएचसी आती–जाती हैं। चिकित्सक के साथ भाई भी आता जाता है। पिछले कई दिनों से चिकित्सक के भाई द्वारा ओपीडी में मरीज देखने का मामला चर्चा में बना रहा। जबकि यह स्वास्थ्य विभाग में किसी भी स्तर का कर्मी नहीं है, बावजूद ओपीडी करता रहा। चिकित्सक के भाई का यह सब खेल अधीक्षक की जानकारी में चल रहा था। सोशल मीडिया पर ओपीडी करने का फोटो वायरल होते ही सीएमओ ने मामले का संज्ञान लिया है। सीएमओ ने लोटन अधीक्षक से फोन पर महिला चिकित्सक के भाई द्वारा ओपीडी करने की जानकारी मांगने पर कोई सटीक जवाब नहीं दे सके। ओपीडी करने वाले व्यक्ति का नाम भी अधीक्षक बताने से कतराते रहे। इससे खफा सीएमओ ने तत्काल चिकित्सक के भाई पर एफआईआर कराने का निर्देश दिया है। सोशल मीडिया पर एक फोटो वायरल हो रहा है। वायरल फोटो लोटन सीएचसी का है। इसमें एक व्यक्ति ओपीडी करते दिख रहा है। यह व्यक्ति सीएचसी पर तैनात महिला चिकित्सक डॉ. फातिमा बेगम का भाई बताया जा रहा है। बाहरी व्यक्ति द्वारा ओपीडी करना गलत है। लोटन अधीक्षक को तत्काल एफआईआर कराने का निर्देश दिया गया है।

व्यावसायिक शिक्षा के विशेष सचिव ने नौगढ़ और बांसी के आईटीआई संस्थानों का किया निरीक्षण

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। व्यावसायिक शिक्षा के विशेष सचिव एवं नोडल अधिकारी अभिषेक सिंह ने जिलाधिकारी डा. राजा गणपति आर के साथ सिद्धार्थनगर में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का निरीक्षण किया। उन्होंने राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नौगढ़ मॉडल आईटीआई सिद्धार्थनगर का दौरा किया। साथ ही टीटीएल योजना के तहत संचालित राजकीय आईटीआई बांसी का भी निरीक्षण किया।

विशेष सचिव ने दोनों संस्थानों में वर्कशॉप और कक्षाओं का जायजा लिया। उन्होंने संस्थानों की साफ–सफाई और व्यवस्थाओं की सराहना की। निरीक्षण के दौरान सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण पाए गए। नोडल प्रधानाचार्य सत्यदेव दुबे ने विशेष सचिव को संस्थानों से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी।

इस अवसर पर नोडल प्रधानाचार्य सत्यदेव दुबे के अलावा अहमद परवेज, अरशद हुसैन, राकेश कुमार मौर्य, राजेश कुमार सिंह, विनीत कुमार शर्मा, संतोष कुमार मिश्रा और संजीव कुमार मिश्रा सहित दोनों संस्थानों के कर्मचारी मौजूद रहे।

तहसीलदार की मौजूदगी में हटाया अतिक्रमण

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज तहसील क्षेत्र में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। मछिया मुस्तहकम गांव में सरकारी जमीन पर बने अवैध मकान को रविवार को ढहा दिया गया। यह कार्रवाई तहसीलदार रवि कुमार यादव की देखरेख में की गई। मामला मछिया मुस्तहकम के तप्पा वैनिया का है। यहां गाटा संख्या 260 खलियान पर अकबाल अहमद और आबिद हुसैन ने अवैध निर्माण करा रखा था। अकबाल अहमद मोहम्मद यूनुस के पुत्र हैं। वहीं आबिद हुसैन फारूक के पुत्र हैं। प्रशासन ने बुलडोजर की मदद से इस अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए डुमरियागंज थाने की पुलिस मौजूद रही।

कार्यालय ग्राम पंचायत-टिकरी वि0ख0 -रुधौली, जनपद-बस्ती

सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालिक निविदा आमंत्रण

ग्राम पंचायत **टिकरी**, विकास खण्ड रूधौली, जनपद बस्ती द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना पंद्रहवां वित्त/चतुर्थ राज्य वित्त /केन्द्रीय वित्त/ स्वच्छ भारत मिशन एवम अन्य शासकीय योजना के अन्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों में प्रयोग हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु इंटरलाकिंग प्रथम श्रेणी ईट, बालू, सीमेन्ट, मोरंग, सरिया, पेन्ट, वायरिंग, पत्थर की गिट्टी, टाइल्स, हियूमपाइप, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, हार्डवेयर, सफाई कर्मी, गोवंश भरण–पोषण, हेतु भूसा दाना, टूल किट, इण्डिया मार्का पम्प, मरम्त, रिबोर पंचायत भवन निर्माण व मरम्मत व सार्वजनिक स्थान पर बैठने हेतु बेंच निर्माण ग्राम पंचायत में उपस्वास्थ्य केन्द्र मरम्मत/सामुदायिक शौचालय मरम्मत व निर्माण, ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धक (एस0एल0डब्लू0एम0), इलेक्ट्रानिक मटेरियल आदि समानो की व समय समय पर आवश्कतानुसार कार्य करने सम्बंधित सामग्री इत्यादि की आपूर्ति हेतु निविदा सत्र 2025–26 हेतु आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनाँक 26–05–2025 से 30.05.2025 को सायं 02.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा तथा वाछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय **टिकरी**, के निविदा बॉक्स में प्राप्त कर डाली जायेगी। जो दिनांक 31.05.2025 पूर्वाहन 03:00 बजे ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेन्डर खोला जायेगा तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर की राशि मूल्य 5000– रुपये होगी।

नियम व शर्तें

1–जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगी, वही निविदा स्वीकृति की जायेगी ।

2–आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकरदाता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।

3–सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत में कार्य स्थल पर ही करनी होगी।

4– जो दरे प्रस्तुत की जाये वह जीएसटी तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाये।

5– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत/ग्राम प्रधान के आदेश पर ही की जायेगी।

6– सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ाई जा सकती है।

7– ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान/सचिव/सदस्य/बीडीसी/जिला पंचायत सदस्य/ तकनीकी सहायक/रोजगार सेवक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बंधित एवं रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी। उक्त आशय की नोटरी शपथ पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य हैं।

8– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा स्वीकृति आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियंता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जायेगा।

9– आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। आपूर्ति हेतु सम्बंधित के पास डीलरशिप/एजेंसी होना अनिवार्य है अन्यथा की दशा में आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति हेतु खरीदी गयी सामग्री का पक्का बिल प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

10– निविदा फॉर्म ग्राम पंचायत **टिकरी**, कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 100 (एक सौ) रुपया है पर ही स्वीकार किया जायेगा। अन्य जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय **टिकरी**, से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान–मालती सिंह
ग्राम पंचायत–**टिकरी**
विकास खण्ड–रूधौली
जनपद –बस्ती

सचिव–जगदीश कुमार यादव
ग्राम पंचायत–**टिकरी**
विकास खण्ड–रूधौली
जनपद –बस्ती

पत्रांक मेमो /निविदा /2025–26 दिनांक 24.05.2025

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–**फैजाबाद कार्यालय**–
चतुर्भुमी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com